भव्य

2023-2025

K.P. Training College, Prayagraj

(A Constituent College of University of Allahabad, Prayagraj)

Ph.No: 0532-2400250 I Email: kptc allahabad1951@gmail.com
Website: www.kptc.ac.in

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

K.P. TRAINING COLLEGE
PRAYAGRAJ

भव्य

2023-25

संरक्षक
चौ0 राघवेन्द्र नाथ सिंह
चेयरपर्सन

प्रधान सम्पादिका
प्रो0 अन्जना श्रीवास्तव
(प्राचार्या)

संपादक मण्डल
प्रो0 शक्ति शर्मा
प्रो0 प्रियंका सिंह
प्रो0 राजेश कुमार पाण्डेय

मुंशी काली प्रसाद वन्दना

जय जय काली प्रसाद, तेरी बलिहारी।
तेरे यश की महान, रश्मियाँ प्रकाशमान।
चारू चन्द्रिका समान, जीवन मनहारी
जय जय......................................

हिय में अति हर्षमान करती कर्तव्य ज्ञान।
तेरी शुभ कीर्तिमान भारती सुखारी।
जय जय...

अपने कुल की महान दुर्गति पर दया आन।
कर निज सर्वस्व दान महिमा विस्तारी।
जय जय ....

हे प्रभो कृपा निधान देवलोक की महान।
आत्म में प्रदीप्तमान मानव तन धारी।
जय जय ....

Prof. Sangita Srivastava
Vice-Chancellor
University of Allahabad

Message

I am happy to know that the K.P. Training College, Prayagraj is going to publish its annual magazine titled “Bhavya”. The wide range of subjects in terms of the creative, informative and intellectual pieces in this magazine, is a testimony of the excellence of College, both in academics and in multiple other dimensions of education, over a period. Publications such as these help in all-round development of our students, sharpen their critical thinking and creative articulations.

I congratulate the students, faculty, and administration of the college whose collective endeavors are showcased in the magazine, and I am sure that several of our students whose works have been published here will go on to pursue their creative journeys further.

संगीता श्रीवास्तव

(Sangita Srivastava)

-: संदेश :-

''जीवन का असली आनंद एक पौधे को बीज से अंकुरित होने तक, हरी शाखा से दृढशाखा तक, फूल से फल तक बढ़ते देखने में निहित है'' उक्त पंक्तियां प्रत्येक विकास को इंगित करती है. फिर चाहे वो विकास किसी व्यक्ति का हो अथवा संस्था का। 1951 से यह बी0एड0 प्रशिक्षण संस्था सतत रूप से विकासोन्मुख होकर समाज को एक जागृत और सजग शिक्षक प्रदान कर उसकी निरन्तर सेवा कर रहा है। यह महाविद्यालय ज्ञान की एक ऐसी यात्रा तय कर रहा है जिसमे समाज के भावी शिक्षक सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ साथ व्यावहारिक ज्ञान, नवाचार तथा सृजनशीलता का भी सम्यक ज्ञान प्राप्त कर रहें हैं और भविष्य में भी यह इसी प्रकार अपने शुभ कर्तव्यों का निर्वहन करता रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

इस अंक के सफल प्रकाशन की शुभकामनाओं के साथ साथ पूरे महाविद्यालय परिवार के उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं।

(चौ0 राघवेन्द्र नाथ सिंह)
चेयरपर्सन, के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज
(अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला न्यास)

-: शुभकामनाएं :-

हम सभी के लिए यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि के0पी0 ट्रेनिग कालेज अपनी समस्त शैक्षिक तथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों को संकलित एवं प्रकाशित करने के लिए द्विवर्षीय पत्रिका 'भव्य' का प्रकाशन करने जा रहा है। यह पत्रिका प्रशिक्षणार्थियों के सर्वागींण विकास को प्रतिबिम्बित करने के साथ–साथ महाविद्यालय के ज्ञान–विज्ञान की परम्परा, उसकी संस्कृति, मूल्य तथा संस्कार को भावी पीढ़ी तक पहुंचाएगी। यह महाविद्यालय शिक्षण–प्रशिक्षण में पारंगतता एवं स्वामित्व के गुणों से युक्त 1951 से समाज को सृजनात्मक तथा चिंतनशील शिक्षक प्रदान कर अपने यश और कीर्ति का पताका फहराता चला आ रहा है जिसके लिए मैं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 अन्जना श्रीवास्तव एवं उनके निर्देशन में अग्रसर समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को साधुवाद देता हूँ तथा इस पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धन्यवाद

(चौ0 जितेन्द्र नाथ सिंह)
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
कायस्थ पाठशाला न्यास

Message

It is with great pride and enthusiasm that K.P. Training College is going to publish its bi-annual magazine named **"Bhavya"**. Definitely this magazine serves as a reflection of the vibrant academic, cultural and co-curricular activities of this institution. Since 1951, this college has been serving the society and the nation by producing skilled, learned and creative teachers and I am sure that it will continue its duty in the same manner in future also.

Wishing you all continued success and fulfillment.

Khare

(Prof. Ashish Khare)
Registrar
University of Allahabad

-: संदेश :-

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आपके महाविद्यालय की द्विवार्षिक पत्रिका 'भव्य' का यह नवीन अंक प्रकाशित हो रहा है। किसी भी शिक्षण संस्थान की पत्रिका न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का दस्तावेज होती है, बल्कि यह विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति का भी एक सशक्त मंच होती है। के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज की यह गौरवशाली परंपरा रही है कि यहां के प्रशिक्षणार्थी न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि साहित्य, कला और समाज सेवा में भी उत्कृष्ट योगदान देते आए हैं। यह पत्रिका इन सभी गतिविधियों का जीवंत प्रमाण है और प्रशिक्षणार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होगी।

मैं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव तथा समस्त शिक्षक वृंद को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी यह महाविद्यालय नित नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ0 हिमांशू श्रीवास्तव)
वित्त अधिकारी
इलाहाबाद विश्वविद्यालय

K.P. TRAINING COLLEGE PRAYAGRAJ

-: शुभकामना संदेश :-

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आपके महाविद्यालय की द्विवार्षिक पत्रिका 'भव्य' का यह नवीन अंक प्रकाशित हो रहा है। किसी भी शिक्षण संस्थान की पत्रिका न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का दस्तावेज होती है, बल्कि यह विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति का भी एक सशक्त मंच होती है। के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज की यह गौरवशाली परंपरा रही है कि यहाँ के प्रशिक्षणार्थी न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि साहित्य, कला और समाज सेवा में भी उत्कृष्ट योगदान देते आए हैं। यह पत्रिका इन सभी गतिविधियों का जीवंत प्रमाण है और प्रशिक्षणार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होगी।

मैं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव तथा समस्त शिक्षक वृंद को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी यह महाविद्यालय नित नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

शुभकामनाओं सहित।

नरेन्द्र कुमार शुक्ल

(प्रो0 नरेन्द्र कुमार शुक्ल)
अधिष्ठाता
महाविद्यालय विकास
इ0वि0वि0

To,

Dr. Anjana Srivastava
Principal
K.P. Training College
Prayagraj, India.

Message

It is a moment of great pleasure and satisfaction to know that one of the premier teacher's training institutes of Prayagraj, K.P. Training College is going to showcase its curricular and co-curricular activities of the session in the form of its college magazine entitled **"Bhavya"**. My heartiest thanks are due to the contributors of the magazine who came out to express their feelings and experiences of its stakeholders in a lucid and creative manner. Tireless efforts of teachers and Principal in motivating the pupil teachers to pen down their creative expressions is really commendable. It is good to know that teachers themselves are also sincerely contributing to the magazine through their academic writings.

I congratulate the collective effort of students, teachers and administrators for their sincere publication of its kind.

(Prof. Dhananjai Yadav)
Head
Department of Education
University of Allahabad
Prayagraj

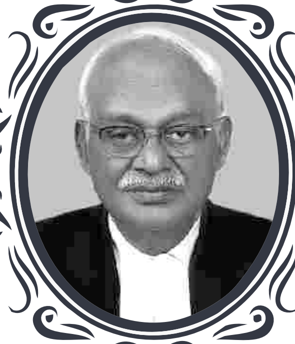

-: संदेश :-

महाविद्यालय की पत्रिका केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि हमारी रचनात्मकता, विचारों और उपलब्धियों का प्रतिबिंब है। यह पत्रिका हमारे महाविद्यालय की विविध गतिविधियो, नवाचारों और बौद्धिक उत्थान का एक सशक्त माध्यम है।

इसमें सम्मिलित लेख, कविताएँ, एवं अन्य अभिव्यक्तियां महाविद्यालय को एक नई ऊँचाई तक पहुँचाने का कार्य करेगी। यह पत्रिका न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करती है, बल्कि उन्हें अपनी अभिव्यक्ति के नए मार्ग खोजने की प्रेरणा भी देती है।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका का यह अंक आपको प्रेरित करेगा और नए विचारों को जन्म देगा।

शुभकामनाओं सहित।

(श्री एस0डी0 कौटिल्य)
महामंत्री
कायस्थ पाठशाला न्यास

महाविद्यालय की प्रतिभाएं
2023 की बी0एड0 मुख्य परीक्षा में विभिन्न स्थान प्राप्तकर्ता

नेहा
प्रथम स्थान

आदित्य आनन्द
प्रथम स्थान

लवली मिश्र
द्वितीय स्थान

शिवम मिश्रा
तृतीय स्थान

शीतल
तृतीय स्थान

2024 की बी0एड0 मुख्य परीक्षा में विभिन्न स्थान प्राप्तकर्ता

अमृता गोस्वामी
प्रथम स्थान

सौरव तिवारी
द्वितीय स्थान

निमा शुक्ला
तृतीय स्थान

2023-24 के छात्र प्रतिनिधि

मनीष पति त्रिपाठी
सीनियर प्रिफेक्ट
(तृतीय सेमेस्टर)

आशीष त्रिपाठी
स्पोर्ट्‌र्स कैप्टन
(प्रथम सेमेस्टर)

क्लास रिप्रेजेन्टेटिव

स्वाति केसरी
(तृतीय सेमेस्टर)

पंकज यादव
(तृतीय सेमेस्टर)

दिव्या पटेल
(प्रथम सेमेस्टर)

संदीप कुमार
(प्रथम सेमेस्टर)

सोशल सेक्रेटरी

सुनीता सिंह
(तृतीय सेमेस्टर)

धमेन्द्र प्रताप सिंह
(तृतीय सेमेस्टर)

रियांशु सिन्हा
(प्रथम सेमेस्टर)

संजय कुमार रोशन
(प्रथम सेमेस्टर)

जेंडर चैम्पियन

दीपिका यादव
(तृतीय सेमेस्टर)

प्रसून यादव
(तृतीय सेमेस्टर)

2024-25 के छात्र प्रतिनिधि

संजय कुमार रोशन
सीनियर प्रिफेक्ट
(चतुर्थ सेमेस्टर)

आयुष कुमार यादव
स्पोर्ट्स कैप्टन
(चतुर्थ सेमेस्टर)

क्लास रिप्रेजेन्टेटिव

स्तुति कोटार्या
(चतुर्थ सेमेस्टर)

अर्जुन विक्रम सिंह
(चतुर्थ सेमेस्टर)

नेहा त्रिपाठी
(द्वितीय सेमेस्टर)

मनीष कुमार
(द्वितीय सेमेस्टर)

सोशल सेक्रेटरी

रक्षा कुशवाहा
(चतुर्थ सेमेस्टर)

रोहित कुमार बैस
(चतुर्थ सेमेस्टर)

हर्षिता साहू
(द्वितीय सेमेस्टर)

शिशिर मिश्र
(द्वितीय सेमेस्टर)

जेंडर चैम्पियन

इन्द्रा कुशवाहा
(चतुर्थ सेमेस्टर)

दीपक यादव
(चतुर्थ सेमेस्टर)

K.P. TRAINING COLLEGE PRAYAGRAJ

विवरणिका

क्र.स.	विषय	पेज नं0
1.	संपादकीय	15
2.	प्रेमचन्द्र की प्रासंगिकता	16—17
3.	एक तिनका	18
4.	चलो फिर से गाँव चले	18
5.	स्मृति	19
6.	कालेज की वो बातें	19
7.	संघर्ष	20
8.	छात्र जीवन	20
9.	कविता	21
10.	किताबों ने मुझे थामे रखा	21
11.	माँ	22
12.	नारी की अस्मिता	22
13.	हे! नारी	22
14.	नारी की अस्मिता	23
15.	धरती	24
16.	इंसान बहुत परेशान है	24
17.	मेरे छात्राध्यापक जीवन के 21 दिन	25
18.	जीवन एक बहता दरिया	26
19.	सपनों की उड़ान	26
20.	प्रेरक प्रसंग	27
21.	नारी की अस्मिता	28
22.	जली हुई रोटी	29
23.	**TRIBUTE TO OUR PRINCIPAL MA'AM**	30
24.	**THE ROLE OF TEACHER EDUCATORS IN BUILDING A CULTURE OF PEACE**	31—33
25.	बढ़ते अपराध और मानसिक स्वास्थ्य	34—35
26.	**CHALLENGES OF AI IN TEACHER EDUCATION**	36—37
27.	मूर्ख, मूर्खता और मूर्खतावाद	38—40
28.	वार्षिक वृतान्त	41—60

FROM THE DESK OF PRINCIPAL ....

It gives me immense pleasure to present this edition of our college magazine, a plateform that shows cases the talent, Creativity and intellectual spirit of our students and faculty. This bi-annual magazine is not merely a compilation of articles and artwork; it is a reflection of the vibrant academic and Cultural life of our college. Through this magazine, our aim to encourage our pupil teacher for critical thinking, creative expression and active participation in various co-curricular activities. So let us continue to strive for excellence in all that we do and uphold various values that depict our college. Over the past years, our institution has significant strides in academic excellence infra structural advancement and holistic pupil teacher development. We have enhanced our laboratories and libraries, established Jim, Studio, embraced digital learning platforms. I firmly believe that growth is a continuous journey and with the same spirit of passion and perseverance, we will continue to active new milestones. So let's all work together to uphold the value of knowledge, innovation and integrity and map our college a beacon of excellence.

I am sure that this magazine will inspires every reader to work hard and make a positive impact in society. I extend my heartfelt gratitude to everyone who has been a part of this journey.

All the best….

Prof. Anjana Srivastava
Principal

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

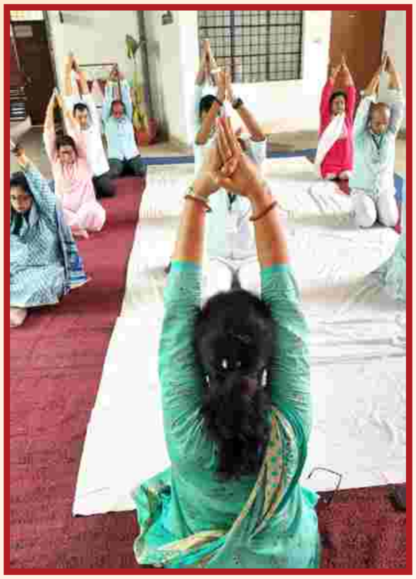

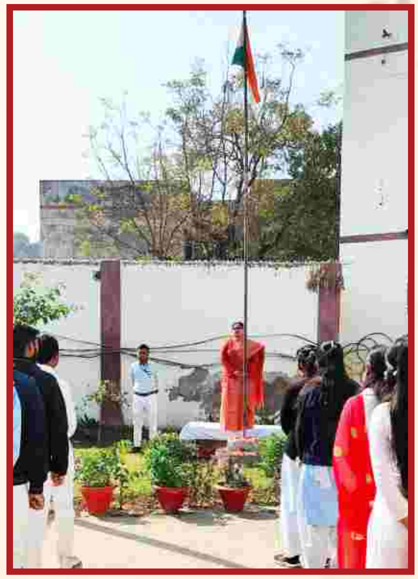

-: संपादकीय लेख :-

हम सभी के लिए यह अत्यन्त गौरव एवं हर्ष का विषय है कि विगत वर्षों की ही भांति पुनः महाविद्यालय अपनी द्वि–वार्षिक पत्रिका ''भव्य'' का प्रकाशन कर रहा है जो पिछले दो वर्षों की शैक्षिक तथा शैक्षिणेत्तर गतिविधियों का जीवन्त दस्तावेज के रूप में स्व को आप सभी के समक्ष मुखरित कर रही है। यह पत्रिका महाविद्यालय के शिक्षकों तथा प्रशिक्षणार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा का दर्पण भी है जिसकी परिणित विभिन्न विषयों पर लेख, कविताएं, कहानियाँ तथा संस्मरण के रूप में हुई है। पत्रिका के प्रत्येक पृष्ठ पर महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की यात्रा का स्पष्ट प्रतिबिम्ब है। वस्तुतः यह हम सभी के साझा प्रयासों, उपलब्धियों तथा नवाचारों की जीवंत अभिव्यक्ति है जो निःसन्देह समस्त पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक तथा मनोरंजक सिद्ध होगी।

सर्वप्रथम मैं हृदय तल से आभार प्रकट करती हूँ हम सभी के संरक्षक माननीय चेयरपर्सन के प्रति, जिनके निरंतर सहयोग और प्रेरणा से यह महाविद्यालय प्रगति की दिशा में सतत रुप से अग्रसर है।

प्रस्तुत पत्रिका को अन्तिम रूप प्रदान करने के मार्ग को प्रशस्त करने में अहम भूमिका का निर्वहन करने वाली परम स्नेही, सरस तथा दृढ़ संकल्प की धनी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 अन्जना श्रीवास्तव जी के प्रति मैं हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ जिन्होने एक सजग प्रेरक के रूप में सक्रिय रहते हुए इसके कलेवर को अन्तिम रूप प्रदान किया। महाविद्यालय के विकास एवं उन्नयन के लिए पूर्ण स्फूर्ति, समर्पण तथा उत्साह के साथ आपके द्वारा किया जाने वाला हर प्रयास तथा उसे पूर्णता प्रदान करने का आपका जुनून तथा जज़्बा हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

मैं हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ अपने उन महान शिक्षाविद्, मार्ग दर्शक तथा प्रेरक अग्रजों के प्रति जिनके संदेशों तथा शुभकामनाओं के आलोक में प्रस्तुत पत्रिका को भव्यता प्राप्त हुई।

अपने समस्त शिक्षक साथियों विशेष रूप से संपादक मंडल के प्रति भी मैं आभार प्रकट करती हूँ जिनके सहयोग से यह कार्य त्वरित गति से हुआ। साथ ही साथ मैं स्नेहिल आभार प्रकट करती हूँ अपने उन प्रशिक्षणार्थियों के प्रति, जिनकी लेख एवं रचना ने प्रस्तुत पत्रिका को उर्वरता प्रदान की।

अंत में मैं विशेष आभार प्रकट करती हूँ **श्री जयकान्त जी** के प्रति जिनके लगन एवं तन्मयता स्वरूप प्रस्तुत पत्रिका अन्तिम रूप प्राप्त कर 'भव्य' के रूप में हम सभी के समक्ष प्रस्तुत हो सकी।

– प्रो0 शक्ति शर्मा

प्रेमचंद की प्रासंगिकता

प्रस्तावना– प्रेमचंद ऐसे कथाकार है, जिन्हें लोग प्राइमरी से पढ़ना शुरू करते हैं तो बड़े होने तक उनका साथ नहीं छूटता। बच्चों से लेकर बूढ़े तक यानी हर उम्र के लोग उनके पाठक है। प्रेमचंद को इस दुनिया से रुखसत हुए लगभग 9 दशक होने जा रहे हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता में लेश मात्र भी कमी नहीं आई है। आखिर प्रेमचंद की रचनाओं में वे कौन–सी बातें हैं, जो उन्हें आज भी प्रासंगिक बनाए हुए है।

कथा साहित्य के सिनेमेटोग्राफर –

प्रेमचंद ने अपने जीवन में लगभग 300 कहानियां, 15 उपन्यास, 3 नाटक, 10 अनुवाद और 7 बाल पुस्तकों की रचना की। हिंदी साहित्य की गद्य विधा में जो लोकप्रियता प्रेमचंद को मिली, वह किसी दूसरे लेखक को शायद ही नसीब हो पाए। कल्पना और तिलिस्म में डूबे हिंदी साहित्य को यथार्थ से परिचित कराने का श्रेय मुंशी प्रेमचंद को जाता है। प्रेमचंद की रचनाओं को पढ़ने के बाद यह आभास होता है कि उनकी रचनाओं के समानांतर ही दृश्य समूह चल रहे हों। प्रेमचंद की छवि एक ऐसे सिनेमेटोग्राफर के रूप में भी उभरती है जैसे मानो वह फिल्म डायरेक्ट कर रहे हों। ऐसा लगता है कि इसे लिखा ही नहीं गया है बल्कि लिखने से पहले उन परिस्थितियों को जिया होगा। ऐसा महसूस होता है कि उनके पात्र आज भी समाज में मौजूद है। यही वजह है कि किसी भी दौर में प्रेमचंद पुराने नहीं होते। हर व्यक्ति उनकी कहानियों और उपन्यासों में अपनी पात्रता ढूंढने लगता है। गोदान के होरी–धनिया हो या धीसू–माधव हो या हामिद। गोबर हो या जालपा, सच तो यह है कि प्रेमचंद के उपन्यासों और कहानियों के सैकड़ों पात्र हमारे समाज में आज भी जिंदा है।

प्रेमचंद है कथा के तुलसीदास–

वरिष्ठ साहित्यकार कमल किशोर गोयनका ने देश में प्रेमचंद पर सबसे अधिक काम किया है। वह अपने जीवन के लगभग 50 साल या यों कहें कि अपना पूरा साहित्यिक जीवन ही प्रेमचंद को समर्पित कर चुके हैं। गोयनका बताते हैं कि जिस तरह तुलसीदास को हर उम्र और हर वर्ग के लोग पढ़ते हैं, उसी तरह लोग प्रेमचंद को भी पढ़ते हैं। जिस तरह आने वाले समय में तुलसीदास की लोकप्रियता और बढ़ेगी, उसी तरह प्रेमचंद भी और लोकप्रिय होंगे। बगैर संकोच के यह कहा जा सकता है कि प्रेमचंद कथा और उपन्यास के तुलसीदास हैं। प्रेमचंद उर्दू से हिंदी में आए थे और तुलसीदास ने तब हिंदी या अवधी में लिखना शुरु किया जब संस्कृत का बोलबाला था। प्रेमचंद के साहित्य में वही जीवन–मूल्य और सांस्कृतिक बोध है जो तुलसीदास के साहित्य में है। दोनों की सहज भाषा शैली उन्हें जनप्रिय बनाती है। साहित्य प्रेमी प्रेमचंद के साहित्य से प्रभावित होते हैं, वहीं विद्वान लोग उनके दर्शन से प्रभावित होते हैं। प्रेमचंद के साहित्य में मोक्ष का दर्शन नहीं, जीवन का दर्शन मिलता है। जो साहित्य मनुष्य को मनुष्यत्व देता है, उसका नुकसान नहीं हो सकता। यही विशेषता प्रेमचंद के साहित्य की है।

जिस समाज के लिए लिखा, वह नहीं बदला–

प्रेमचंद का लेखन भारतीय समाज में इतना रचा बसा है कि लगभग एक शताब्दी के बाद भी वह उतने ही प्रासंगिक हैं। वरिष्ठ आलोचक वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ऐसा इसलिए है कि भारतीय समाज अपनी मूल संरचना में अभी भी नहीं बदला है। तमाम तब्दीलियों के बाद भी हमारे समाज की मूल संरचना वैसी ही है, जैसी प्रेमचंद के समय में थी। अगर प्रेमचंद ने 'ठाकुर का कुआ' कहानी लिखी, जिसमें दलित को शुद्ध पानी नहीं मिल पाता था तो वह समस्या आज भी बरकरार है। आज भी किसी दलित बच्चे का हाथ घड़े से छू जाता है तो उसे पीट–पीटकर मार दिया जाता है। महिलाओं की आजादी का मुद्दा अभी भी बरकरार है। पितृसत्ता अब भी काविज है। स्त्रियों को आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। किसानों की बात करें तो उनकी समस्याएं आज भी बरकरार हैं। खेती–किसानी घाटे का सौदा हो गई है। किसान आज भी कर्ज में डूबा है। आज भी किसान अपने अधिकारों को लेकर जलसा, जुलूस और आंदोलन कर रहे हैं। स्त्री हो, किसान हो, मजदूर हो, दलित हो या भारत का एक व्यापक वर्ग सभी अपनी स्थितियों में फंसे हुए है और संघर्ष कर रहे हैं। यही समस्याएं तो प्रेमचंद की कथावस्तु रही हैं। यही बातें आज भी प्रेमचंद को प्रासंगिक बनाती हैं।

(प्रेमचंद जयंती विशेष पत्रिकाओं से साभार)

– अनूप दूबे
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

एक तिनका

मैं घमंडो में भरा ऐंठा हुआ
एक दिन जब था मुंडेर पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।

मैं झिझक उठा, हुआ बैचेन सा
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मुठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तु किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।

लेखक –
अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
कविता यादव
छात्राध्यापिका चतुर्थ सेमेस्टर

चलो फिर से गाँव चले

जब गाँवो से ही आता अन्न
वहीं पर होता उत्पादन।
तो क्यों न ग्रामों का विकास करें
चलो फिर से गाँव चले।।

बढ़ रहा औद्योगिकीकरण
हो रही है बस्तियाँ सघन।
खुली कैद में क्यों रहे
चलो फिर से गाँव चले।।

रोजगार के नित नये – आयाम
खोजे दें लोगों को आराम।
उन सूखे वृक्षों की छाया बने
चलो फिर से गाँव चले।।

भूल गये जो प्रेम–माटी से
एकल से संयुक्त की ओर चले।
तोड़ने हर रूढि–बन्धन को
चलो हम सब साथ चले
चलो फिर से गाँव चलें।

– प्रियंका पटेल
छात्राध्यापिका
चतुर्थ सेमेक्टर

स्मृति

याद आती है, वो कालेज की गलियाँ।
वो सारी किताबें, वो सारे दोस्त।
पहले सोचते थे, ये वक्त कब गुजरेंगे।
अब लगता है, फिर से कब वो पल मिलेंगे।
पहले शिक्षकों के प्रश्नों से हम घबराते थे।
आज उनके उत्तर हमें याद आते हैं।।
एक साथ वो टिफिन का ढक्कन खोलना।
कभी किसी का जन्मदिन न भूलना।
आँसू और खुशी दोनों में सहारा बनना।
वो थोड़े ही पैसों में गुजारा करना।।
याद आती हैं वो, कालेज की गलियाँ।
वो सारी किताबें वो सारे दोस्त।।
याद है वह दिन जब प्रथम सेमेस्टर में आये थे,
कुछ जाने पहचाने तो कुछ अनजान चेहरे पाये थे,
कभी सोचा न था ये लोग इतना खास हो जाएंगे
एक दूजे के बिन नही रह पाएंगे,
लो आ गया चतुर्थ सेमेस्टर का आखरी दिन, अब
कैसे रहेंगे एक दूसरे के बिन.....।
अब कुछ दिन उनसे मुलाकात नही,
सुबह की किरणों में अब वो बात नहीं।
देखा करेंगे हम खुद को के.पी.टी.सी. की याद में,
के.पी.टी.सी. भी तो किसी याद से कम नहीं हैं ......।

कालेज की वो बातें

कभी हसाती है, कभी रुलाती है,
कालेज की वो बाते बहुत याद आती हैं
फुर्सत के दो पलों में फिर से बुलाती है,
मुझे मेरे दोस्त पुराने याद दिलाती है।
कालेज की वो बातें
दोस्तो के साथ बिताए वो खूबसूरत
से पल और उनकी बातें याद दिलाती हैं
ग्रुप स्टडी के नाम पे की गई वो नादानियाँ
याद दिलाती हैं,
देर रात तक चलने वाली को पार्टियाँ याद
दिलाती हैं।
कालेज की वो बातें
हाँ मुझे बहुत याद आती है,कालेज की वो बातें

– योगेश कुमार सिंह
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

संघर्ष

आज रात काली अंधेरी
कल अपना दिन होगा
सवेरा होगा
सूरज उगेगा
छट जायेगी
इन काली रातो की घटा
कामयाबी हाथ लगेगी,
अभी है तू राहगीर
चल धीरे राह पर
राह में है बड़ी अड़चनें
चलता चल काट उन्हे
बढ़ता चल, आएगा समय
पहुंचेगा उन बुलंदियो पर
जिसका ख्वाब है तुम्हे
शुक्रिया कहना उन अड़चनों को
जो पहुचायेंगी तुम्हे
अपनी बुलन्दियों पर
अभी है रात काली अन्धेरी
न कर चिन्ता
कौन है तुम्हारा
जो है लौट कर आयेगा
छोड़ दी इसकी चिन्ता
अपने शिव पर
चलता चल अपनी राह
निश्च्छल, निडर अडिग
निश्च्छल, निडर अडिग
अभी रात काली अन्धेरी...... 2

– सौरभ
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

छात्र जीवन

जीवन संघर्षो का नाम है, जिसको जिसने जान लिया
वही सफल होता है जग में जिसने एक ठान लिया।
जो न कभी रूकना जाने,
जो न कभी झुकना जाने
हाँ लक्ष्य की देवी की बलि वेदी पर
खुद को बलि करना जाने।
सूक्ष्म बीज हूँ गड़ा भूमि में, उगना जिसने जान लिया
वहीं सफल होता है जग में जिसने एकदम ठान लिया।।
नहीं है आड़े रिस्ते आते।
नहीं रोके बेकार की बाते।।
नही चमक दमकीली दुनिया
ना ही काम की चाँदनी दुनिया
बन हठ योगी हठ पाले,जो लक्ष्य पे नजरें डाल दिया
वही सफल होता है जग में जिसने एकदम ठान लिया

– योगेश खरवार
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

कविता

अंधेरों का ढ़ल जाना तय है
समुद्र में उठी ऊंची–ऊंची लहरों का
जल में मिल जाना तय है
उठी उग्र तुफानों का
पलभर में नष्ट हो जाना तय है
ये घोर अंधेरों का ढ़ल जाना तय है
हर विपदा के बाद
सुखद समय का आना तय है
करते रहे कठिन परिश्रमों का
फल मिलना तय है।
इन घोर अंधेरों का ढ़ल जाना तय है।

किताबों ने मुझे थामें रखा

जब–जब लगा मेरे पैर लड़खड़ाये हैं,
वहाँ–वहाँ मुझे थामें रखा।
जब–जब मैं हारा हूँ,
तब–तब मुझे जिताए रखा
जब–जब लगा मेरा सब कुछ खत्म हुआ
तब–तब मुझे मेरा आत्म सम्मान, गौरव को
सजाये रखा
जब–जब लगा मेरा जीवन का डोर छूटा है
तब–तब हिम्मत, सहारा को थामे रखा
जब–जब मै निराश हुआ
तब–तब उत्साह, उम्मीद दिया
जब–जब मैं टूटा हूँ
तब–तब मुझे जोड़े रखा
किताबों ने मुझे थामे रखा

– आत्मानन्द जी
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

माँ

तू है तो पंख है, तू है तो हैं हवायें
तू है तो उड़ान है, तू है तो हैं दुआयें
तेरे होने से हौसला है जान है
तू है तो जिन्दगी आसान है................
बंजर जमीन पर जैसे घर है तू
है खूबसूरत ये जहान यहाँ अगर है तू
तेरे होने से है ज़मीन ये आसमा..........
खुश है नसीब के तू है क़रीब
और है यहाँ......... माँ.......

– चन्दना मौर्या
छात्राध्यापिका
द्वितीय सेमेस्टर

नारी की अस्मिता

भूल से मत कीजिये, नारी का अपमान,
नारी जीवनदायिनी, नारी है वरदान।
माँ बनकर देती जन्म, पत्नी बन संतान।
जीवन भर छाया करे, नारी वृक्ष समान।
नारी भारत वर्ष की, रखे अलग पहचान,
ले आई यमराज से वापस पति के प्राण।
नारी कोमल निर्मला, होती फूल समान,
वक्त पड़े तो थाम ले, बरछी तीर कमान।
नारी के अंतर बसे, सहनशीलता आन,
ये है मूरत त्याग की नित्य करे बलिदान।
नारी को मत मानिये, दुर्बल अबला जान,
दुर्गा, काली, कालिका, नारी है तूफान।
युगों–युगों से ये जगत, ठहरा पुरुष प्रधान,
कदम–कदम पर रोकता, नारी का उत्थान।
जितना गाओ कम लगे, नारी का गुणगान,
जी चाहे कण–कण करे, नारी का सम्मान।

– अभिषेक गौड़
छात्राध्यापक चतुर्थ सेमेस्टर

हे नारी!

हे नारी! तुझे स्वयं ही अपनी अस्मिता को बचाना होगा
नहीं आएगा कोई अब तेरे लिए
तुझे स्वयं ही अपना रूप दुर्गा काली में बदलना होगा।
बीत गया वह युग जब तेरे अस्मिता के लिए युद्ध हुआ
करता था।
अब तो लोग सिर्फ मोमबत्तियाँ जलाया करते हैं।
हे नारी! तुझे स्वयं ही उनको जलाना होगा।
नही आएगा तुझे कोई तेरी पहचान बताने दुनिया में
तुझे स्वयं ही अपनी पहचान बताना पड़ेगा दुनिया में।
तुझे रोकेगा हर कोई आगे बढ़ने से
लेकिन तुझे बनना होगा कैप्टन शिवा चौहान खुद से।
आखिर कब तक तू डरती रहेगी अंधकार से
तुझे खुद से लड़ना होगा अंधकार से।
नही जलाएगा कोई दीप तेरे लिए
तुझे खुद ही एक दीप जलाना होगा।
हे नारी! तुझे स्वयं ही अपनी अस्मिता को बचाना होगा
नहीं आएगा कोई अब तेरे लिए।
तुझे स्वयं ही अपना रूप दुर्गा काली में बदलना होगा।

– दीपक यादव
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

नारी की अस्मिता

नारी आत्म सम्मान है एक आग,
जो जलती है हर ह्दय में।
उसकी आँखो में है गहरा समंदर,
जो बन जाता है वेदना का घर।।

नारी स्वयं है एक ताकत,
जो हर चुनौती को पार कर सकती है
तो उसकी आवाज है एक मधुर गीत
जो हर मन को छू जाती है।।

नारी की अस्मिता है वो शक्ति,
जो हर किसी को आगे बढ़ना सिखाती है।
तो उसकी मुस्कान है एक खुशी,
जो मुश्किलों में भी हसाती है।।

फिर उसके मान को बनाए रखना
क्यों ? होता जा रहा कठिन।
उसकी गरिमा को बनाए रखना,
उसकी आवाज को बचाए रखना।।

ध्यान रहे..... यदि
जन्म देने वाली स्वयं विनाश का माध्यम बन जाए।
तो क्या होगा इस सृष्टि का,
माँ की ममता हो जाये खत्म,
तो क्या होगा इस विश्व का।।

नारी सम्मान एक भाव है,
जो जीवन जीना सिखाती है।
कर्तव्यों को सुझाती है,
सुमार्ग का पथ दिखलाती है।।

– प्रियंका पटेल
छात्राध्यापिका
चतुर्थ सेमेस्टर

धरती

जो कभी नई दुल्हन की तरह,
सजी हुआ करती थी।
जो कभी सरसों की पीली चादर ओढे,
तो कभी दुल्हन की हरी मेहंदी,
के समान सुंदर हुआ करती थी।
ढलते सूरज से मिलकर
वो तिरंगे का रूप लेने वाली धरती को
आज उसी के बच्चों ने प्रदूषित कर–
बाँझ बनने पर मजबूर कर दिया है।
हरे भरे पेड़ों को काट कर,
कंकड़–पत्थर के जंगल तैयार कर,
सुंदर रूप इसका बदल दिया है।
लेकिन
इसे बचाना है, एक बार फिर इस
दुल्हन को सजाना है,
हम सबको एक पौधा लगाकर
अपना कल बचाना है।

– **इन्द्रा कुशवाहा**
छात्राध्यापिका
चतुर्थ सेमेस्टर

इंसान परेशान बहुत है

अच्छी थी, पगडंडी अपनी,
सड़कों पर जाम बहुत है।
फुर्र हो गयी फुर्सत अब तो,
सबके पास काम बहुत है।
नहीं जरूरत बुजर्गों की अब,
हर बच्चा बुद्धिमान बहुत है।
उजड़ गये सब बाग बगीचे,
दो गमलों में शान बहुत है।
मठ्ठा दही नही आते अब,
कहते है जुकाम बहुत है।
बंद हो गयी चिट्ठी–पत्री,
फोनों पर पैगाम बहुत है।
आदी हैं ए0सी0 के इतने,
कहतें हैं तापमान बहुत है।
झुके–झुके स्कूली बच्चे,
बस्तों में सामान बहुत है।
सुविधाओं का अंबार लगा है,
लेकिन इंसान परेशान बहुत है!

– **रजनीश कुमार**
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

मेरे छात्राध्यापक जीवन के 21 दिन

आज 04 / 09 / 2024 को मेरी पहली कक्षा थी और मेरे मन में कई प्रकार के द्वंद चल रहे थे कि मेरे पहले के छात्र किस प्रकार के होंगे ? मैं उन्हे किस प्रकार से पहला संबोधन करुँगा? और वह किस प्रकार से मेरे शिक्षण कार्य को सफल बनाने में मदद करेंगें? क्योकि छात्रों के मदद के बिना मेरा शिक्षण कार्य पूरा नहीं हो सकता था। इन्ही प्रश्नों के लेकर मन में थोड़ा डर एवं संशय था। कक्षा में कदम रखते ही मेरी हृदय गति तेज हो गयी लेकिन मैंने अपने–आप को संभाला तथा छात्रों को सबसे पहले सुप्रभात कहा और छात्रों ने बड़े प्रेम एवं सम्मान के साथ मेरा सम्बोधन स्वीकार किया। इसके बाद मैने अपना परिचय छात्र दलों को दिया एवं उसके बाद एक–एक करके छात्रों का परिचय लिया और उनके बौद्धिक स्तर का पता लगाने का प्रयास किया। उनसे बातचीत करने से मेरा डर एवं संशय इस प्रकार समाप्त हो गया जिस प्रकार अंधेरे रास्ते पर एक एक कदम बढ़ाने पर आगे का मार्ग स्वतः ही दिखाई देने लगता है। इसी प्रकार से मेरा शिक्षण कार्य का पहला दिन समाप्त हुआ।

दूसरे दिन मैने पाठ योजना बनाया और पाठ योजना के अनुसार शिक्षण कार्य करना प्रारम्भ किया और निर्धारित शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया तथा काफी हद तक सफल भी रहा।

इसी प्रकार तीसरा दिन, चौथा दिन, पाँचवा दिन....चलता रहा। पाठ योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करते रहने से मेरे अन्दर अब पहले से अधिक आत्मविश्वास हो गया और मैं आत्मविश्वास के साथ शिक्षण कार्य करता रहा। इस प्रकार से शिक्षण का अन्तिम दिन यानी 21वाँ दिन आ गया। इस दिन छात्रों को पढ़ायें हुये पाठों का उपलब्धि परीक्षण लिया। यह उपलब्धि परीक्षण छात्रों के उपलब्धि के साथ मेरी भी उपलब्धि का पता लगाने वाला था कि मेरा शिक्षण कार्य कितना प्रभावशाली रहा और छात्रों ने मेरे शिक्षण से कितना सीखा व समझा है।

अंत में उपलब्धि परीक्षण से यह ज्ञात हुआ कि मैं कॉफी हद तक सफल रहा। इस 21 दिवसीय शिक्षण में मैंने अपने सीखे कौशलों का उपयोग करके शिक्षण कार्य को बीते प्रत्येक दिन से बेहतर बनाने का प्रयास किया और मै इसमें काफी हद तक सफल हुआ। अब मैं स्वंय में एक परिवर्तन महसूस कर पा रहा था।

– आत्मानन्द जी
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

''जीवन एक बहता दरिया''

जीवन एक बहता दरिया है,
ठहराव यहाँ स्वीकार नहीं।
जो बंध गया वह सड़ जाएगा,
जो बह चला वह हार नहीं।
हल पल नया, हर पल ताजा,
बस यही तो सत्य महान।
कल की चिंता व्यर्थ है सारी,
जी ले इस पल का सम्मान।
तू स्वयं ही प्रश्न है प्यारे,
तू स्वयं ही है उत्तर भी।
बाहर ढूंढेगा तो खो जाएगा,
अंतर देख, वही सफर भी।
प्रेम ही तेरी साधना हो,
हँसी ही हो तेरा ध्यान।
खुद को खोज, खुद को जी ले,
बस यही है सत्य विधान।

''सपनों की उड़ान''

हौसलों की रोशनी से,
अंधेरा मिटाना होगा।
मुश्किलों से लड़कर
मंजिल को पाना होगा।
रास्ते में काँटे होंगे,
धूप भी सताएगी।
हर ठोकर ये कहेगी
हिम्मत आजमाएगी।
जो चल पड़ा है राहों में,
वो रूक नहीं सकता।
जो जल रहा है दीपक सा,
वो बुझ नहीं सकता
हार को अगर अपनाया,
तो जीत नहीं होगी।
संघर्ष से जो डरेगा,
वो महान नहीं होगा।
सपनों को सच बनाने का,
अब इरादा कर लो।
खुद पे है यकीन अगर,
तो आगे बढ़ लो।

संदीप कुमार
छात्राध्यापक
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रेरक प्रसंग

बहुत समय पहले की बात है एक प्रसिद्ध गुरू अपने मठ में शिक्षा दिया करते थे पर उनके शिक्षा देने का तरीका अलग था। गुरू का मानना था कि सच्चा ज्ञान मौन रह कर ही आ सकता है इसलिए मठ में मौन रहने का नियम था। लेकिन इस नियम का एक अपवाद था कि एक साल पूरा होने पर कोई शिष्य गुरु से दो शब्द बोल सकता था।

साल भर बीतने के बाद एक शिष्य गुरु के पास पहुँचा। उन्होंने दो उंगलियाँ दिखाकर दो शब्द बोलने की आज्ञा दी।

शिष्य बोला ''गन्दा खाना।''
गुरु ने हाँ में सिर हिला दिया।

इस तरह एक साल और बीत गया। फिर वह शिष्य गुरु के पास पहुँचा। दो शब्द बोलने की आज्ञा प्राप्त करके शिष्य बोला ''कठोर बिस्तरा'' गुरु ने फिर हाँ में सिर हिलाया।

वक्त बीतने लगा और एक साल बीत गया। इस बार वह शिष्य गुरु से मठ छोड़कर जाने की आज्ञा लेने उपस्थित हुआ और बोला ''नहीं होगा''

गुरू बोले ''जानता था।'' गुरु ने उसे जाने की आज्ञा दे दी और उन्होंने मन ही मन सोचा कि जो दो शब्द बोलने के दुर्लभ मौके पर भी केवल शिकायत करता है वह ज्ञान प्राप्ति कैसे कर पायेगा।

बहुत से लोग अपना कीमती समय शिकायत करने में बिता देते हैं और अपने महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने से चूक जाते हैं। उस शिष्य ने अपना सुअवसर शिकायत में गवाँ दिया जबकि साल भर में वह भोजन व्यवस्था को सुधारने का प्रयास कर सकता था। चीजों को बदलने का अवसर उपलब्ध होने के बावजूद भी शिकायत करने से हल नहीं निकलता है। हमें चीजों को सही करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। हमें पहले स्वंय में वे बदलाव करने चाहिए जो हम दुनिया में देखना चाहते है।

– अंजली यादव
छात्राध्यापिका
चतुर्थ सेमेस्टर

नारी की अस्मिता

मेरी प्रिय नारी,

तुम खुद से प्यार करो, तुम खुद को चाँद कहो, खुद को आसमाँ कहो। दिन–भर की थकान के बाद जब भी तुम आईना देखो तो तुम देखना आत्मविश्वास से परिपूर्ण सुन्दरता संघर्षशीलता से भरी तुम्हारे पिता की चाँद–सी खूबसूरत बेटी को।

मेरी प्रिय नारी !

तुम्हारे होने से यह दुनिया बहुत खूबसूरत है, तुम हो तो दुनिया है। पग–पग पर परीक्षाएँ लेती जिंदगी जब भी तुम्हे हारा हुआ महसूस कराए, तुम सोचना....... तुम अपने पिता का वह मुस्कुराता हुआ चेहरा हो, जिस पर तुम्हे नाज है। मैं जानती हूँ यह कहना बहुत मुश्किल है कि औरत होना आसान है। अपनी जिंदगी को स्वेच्छा से त्यागकर, किसी और के रंग में रंगकर, उसके जीवन में दिये–सी रोशनी बनना आसान नहीं है, लेकिन ये काम भी सिर्फ एक नारी ही कर सकती है।

तुम इतनी शक्तिशाली हो कि तुम्हारे सहारे किसी घर की नींव रखी जाती है, तुम इतनी बहादुर हो कि तुम्हे दूसरों की जिंदगी रोशन करने भेजा जाता है, तुम इतनी सहनशील हो कि तुमसे नये प्राणी का जन्म होता है। तुम इतनी महान् हो कि तुम्हे हर दुःख से मिलवाया जाता है।

नारी ! तुम दुनिया की एकमात्र प्राणी हो, जिसके दम पर यह पूरा संसार है। मैं चाहूँगी कि तुम इस संसार में किसी की बराबरी से दूर स्वयं के लिए जीना। बराबरी करना तुम्हारा काम नहीं तुम सबसे ऊपर दूर आसमां से आए चाँद–सी–हो।

आँच आए तुम पर तुम दुर्गा बन जाना।
साथ दे कोई तुम्हारा, तुम सहारा बन जाना।।
उदासी की तुम मुस्कान, जरूरतमंद का फरिश्ता बन जाना।
नाकामयाबी की कामयाबी हो तुम।।
हार कर बैठे हुए की जीत बन जाना।
मेरी प्यारी औरत! तुम कभी–कभी ईश्वर की खूबसूरत रचना बन कर सामने आना।।
दुनिया नही चाहेगी तुम उनके बराबर आओ। दुनिया पंख तोड़ना चाहेगी
पर टूटे हुए पंखों से उड़ना। तुम अपने लिए आखिरी सांस तक लड़ती रहना।

प्रेम, प्रेम और अथाह प्रेम......

– आकांक्षा तिवारी
छात्राध्यापिका
द्वितीय सेमेस्टर

स्वरचित कविता

1. जली हुई रोटी

माँ के हाथों से उछली रोटी
तपती भट्ठी के अर्द्ध भाग पर
एकटक आँखों से विलाप कर रही है
क्योंकि माँ ने उसे ज्वलंत लपटों में
धीरे–धीरे
फुला कर जला दी है
छोटे भाई ने उसे हॉटपॉट से निकालकर
काली नाली में फेंक दिया
सड़े अंडे और कटी सब्जियों की तरह
छोटा भाई नासमझ
उसे पता नहीं
जली रोटी का महत्व
दरअसल हर रोज
माँ के हाथों दो–चार रोटियाँ
जल जाया करती और मेरी माँ
बड़ी प्यार से संभाल कर हॉटपॉट के
निचले भाग में रख देती
बिना बाबूजी से कुछ कहे
पन्द्रह साल तक तो मैं
इस रहस्य को समझ ही नहीं सका
ठीक वैसे ही
चार बरस के बाद लीप ईयर की तरह
रात्रि में माँ हमें थाली में
सफेद चन्द्रमा जैसी रोटी परोस दिया करती
जिसके बीच–बीच में
काले–काले धब्बे हमें मुस्कुराते
प्रतीत हुए हमेशा ही......।
माँ के चेहरे को देख
कल–कारखानों के धुएँ
या यूँ कहें चूल्हे के धधकते अंगारे भी
फीके पड़ चुके हैं
हमेशा अच्छी रोटी मेरे लिए और
अंतिम रोटी माँ अपने आँचल में छुपा
लेती अपने लिए
एक सम्पूर्ण देश की तरह ....
ऐसा लगता जैसे आइजक न्यूटन और
रदरफोर्ड ने भी
यही रोटी खाई होगी तभी तो
वह गगन और पृथ्वी को हमेशा अपना
समझकर अविष्कार किए
एक सफेद चादर की तरह
माँ ने ही प्रतिनिधित्व किया है
जली हुई रोटी का
उसमें चिह्नित काली परतों का और
अंत में अपने जले हुए हाथों का
आखिरकार ....
ये सत्य मेरा छोटा भाई जानकर
सारी जली रोटियाँ फेंक आया
मन के मूल्यवान नाले में।

– रोहित प्रसाद
छात्राध्यापक
द्वितीय सेमेस्टर

Tribute to Our Principal Ma'am

How swift you are,
In soothing our small childish fears
How tenderly you watch over children
And treasure them all through the years
A heart full of forgiveness for any mistake
Big or small.
A gentle touch upon our head
A simple word kindly said
Complete attention when we call
Correcting in loving ways
Trust in what we say
Our knowing you has gained all.
A Promise we have made won't be broken.
Helping us in making lesson plans and assignment
Giving us hope and building our dreams
Education is important true
But so much more our faith in you
You've weathered through storm and strife
You helped many buds to bloom,
You're truly the one to be
You are the one, who always guides us,
With warm understanding and infinite patience,
And wonderful gentleness too.
A person who loves, shares, who inspires unconditionally.
A love, a feeling that can be known only by you and us.
Thank you for being there when we needed.
Thank you for believing in us, even when we doubted ourselves.
for being the one person we could trust no matter
what, no matter where .... Just thank you..

Riyanshu Sinha
Pupil teacher
IV Semester

The Role of Teacher Educators in building a Culture of Peace.

Prof. Priyanka Singh

Peace education is a process that promotes the knowledge skills, attitudes and values needed to bring about behaviour changes that enable individuals to prevent conflict and violence, both overt and structural, to resolve conflict peacefully, and to create the conditions conducive to peace-whether at an individual, societal or global level. **"UNESCO report: Peace Education in the 21st century"(2024)** discusses the challenges and opportunities for implementing education strategies and emphasizing for integrating peace education in to formal and non-formal education system.

Peace education is a transformative process that aims to nurture a culture of peace by equipping individuals with the attitudes, values, knowledge and skills necessary to resolve conflid non-violently, respect diversity and promote justice and equality. In a world marketed by increasing violence, intolerance and conflict, the need for peace education has never been greater, Central to its, successful implementation are teacher educators the mentors and guides who shape the next generation of teachers.

What is Peace Education?

It involves teaching about peace, understanding the roots of violence and promoting the values of cooperation, respect, empathy and justice.

The Role of Teacher Educators in Peace Education

1. Curriculum Design and Integrations :

UNESCO (2023) recommendation on Peace Education is that governments integrate peace education in to national curricula and Teacher-Training programs. Teacher educators play an important role for embedding peace education in to teacher training programs. They help to develop curricula that include content on-conflict resolution, human rights, diversity and sustainable development.

This integration ensures that prospective teachers are not only subject matter experts but also peace builders in their classrooms and communities.

2. **Modeling Peaceful Behaviour :**

As role models, teacher educators must demonstrate the behaviors and values they wish to impart. This includes - Nonviolence, Communication, Active listening, Respect of differing opinion and Empathy and Compassion.

Their own behaviour creates a learning emironment that reflects peace education in action, influencing how prospective teachers manage their own classrooms.

3. **Skill Development in Conflict Resolution:**

Peace education requires practical skills such as:

- Meditation
- Conflict Analysis
- Negotiation
- Emotional regulation.

Teacher educators train prospective teachers in there areas through workshops, simulations and classroom discussions. These skill are crucial for teachers working in diverse or conflict-prone environments.

4. **Promoting Reflective and Critical Thinking :**

Reflective and Critical thinking is essential for peace education. Teacher educators encourage teacher trainees to -

- Analyse social injustice
- Reflect on personal biases
- Explore global and Local conflicts.
- Thoughtful and inclusive discussions in classrooms

5. **Encouraging Inclusive and Equitable Practices :**

Inclusive education is at the heart of peace education.Teacher educators instill practices that:

- Celebrate cultural and religious diversity
- Address gender inequalities

- Support students with disabilities or from marginalised communities

They ensure that prospective teachers create classrooms where each and every student feels safe, valued and respected.

6. **Community Engagement :**

Teacher educators often act as a bridge between schools and communities. They can involve prospective-teachers in community service, peace projects ar interfaith dialogue. These experiences deepens the understanding of peace as a lived practice beyond the classroom.

Challenges faced by Teacher Educators

- Lack of Resources:
- Resistance to change:
- Cultural and Political Barriers.
- Limited Professional Development

Conclusion :

Teacher educators play a foundational role in embedding peace education into the fabric of formal education.Through their work in training, mentoring and curriculum development, they ensure that the next generation of teachers is prepared to create peaceful, inclusive and empathetic learning environments. Investing in the development of peace-oriented teacher education is an essential step toward building more harmonious societies.

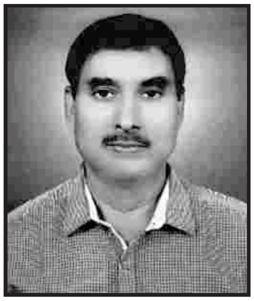

बढ़ते अपराध और मानसिक स्वास्थ्य

प्रो0 राजेश कुमार पाण्डेय

अपराध और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबन्ध कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें व्यक्ति की मानसिक स्थिति, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ सम्मिलित होती हैं। समाज में बढ़ते अपराध के पीछे व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है। अवसाद, चिन्ता एवं व्यक्तित्व विकार व्यक्ति के व्यवहार व निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं जिससे अपराध की ओर अग्रसर होने की संभावना बढ़ जाती है।

अपराध एक ऐसी गतिविधि है जो कानून के विरुद्ध भी होने के साथ समाज के लिए अहितकर भी होती है। जबकि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति की मानसिक स्थिति को दर्शाता है, जिसमें उसकी भावनाएँ, विचार और व्यवहार शामिल होते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं –

मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति द्वारा अपराध करने की संभावना बढ़ जाती है। मानसिक स्वास्थ्य हमारे सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करता है। कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जिनका अपराध से जुड़ाव हो सकता है, निम्नवत् है–

अवसाद–अवसाद में व्यक्ति को उदासी, चिंता और मन में आत्महत्या के विचार आते हैं। अवसाद से ग्रसित व्यक्ति अपराध करने की अधिक संभावना रखते हैं।

चिंता– चिंता एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है जिसमें व्यक्ति को तनाव का अनुभव होता है।

व्यक्तित्व विकार – व्यक्तित्व विकार भी एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें व्यक्ति का व्यक्तित्व असमान्य और हानिकारक होता है।

व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और अपराध के मध्य संबन्धों पर किये गये अध्ययनों के आधार पर ज्ञात होता है कि– मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं व्यक्ति के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे अपराध की संभावना बढ़ जाती है। मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं व्यक्ति के सामाजिक समर्थन को कम कर सकती हैं, जिससे अपराध करने की संभावना बढ़ सकती है।

अन्य कारक– मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य समस्याएं जो अपराध की ओर अग्रसर होने के कारण बन सकते हैं, इस प्रकार हैं–

सामाजिक असमानता– सामाजिक असमानता का शिकार व्यक्ति अपराध की ओर कदम बढ़ा सकता है।

आर्थिक संकट – आर्थिक विपन्नता भी एक महत्वपूर्ण कारक है जो अपराध का कारण बन सकता है।

पारिवारिक विखण्डन – पारिवारिक विघटन भी एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है।

मद्यपान– शराब का सेवन व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है और व्यक्ति को अपराध की ओर अग्रसित कर सकता है।

<u>सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग –</u> दैनिक जीवन में सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है और व्यक्ति को अपराध की ओर अग्रसर होने की संभावना को बढ़ा सकता है।

<u>मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण समाज में होने वाले अपराध –</u> व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य समस्या से होने वाले अपराध –

<u>हिंसक अपराध –</u> अवसाद, चिंता एवं व्यक्तित्व विकार से व्यक्ति हिंसक अपराधों की ओर अग्रसर होता है और बाल शोषण, बलात्कार एवं हत्या जैसे कार्यों को अंजाम देता है।

<u>चोरी व लूट–</u> मद्यपान और मानसिक स्वास्थ्य समस्या के कारण व्यक्ति के निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है जिससे व्यक्ति चोरी व लूट जैसे अपराधों को करता है।

<u>आत्म हत्या –</u> मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण व्यक्ति आत्महत्या जैसे कार्यों की ओर अग्रसर होता है।

<u>नशीली दवाओं का सेवन –</u> मानसिक स्वास्थ्य समस्या के कारण व्यक्ति का व्यवहार प्रभावित होता है और व्यक्ति के नशीली दवाओं का सेवन जैसे अपराधों की ओर अग्रसर होने की संभावना बढ़ जाती है।

<u>अपराधों का समाज पर पड़ने वाला प्रभाव –</u> व्यक्ति द्वारा किये गये अपराधों के कारण समाज में अनेक प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती है। अपराधों का समाज पर पहले व्यापक प्रभाव दिखायी देता है–

<u>सामाजिक प्रभाव –</u> अपराधों के कारण लोगों में भय और असुरक्षा की भावना विकसित हो सकती है, जिससे समाज में विभाजन और तनाव में वृद्धि हो सकती है।

<u>आर्थिक प्रभाव–</u> अपराधों के कारण व्यावसायिक गतिविधियाँ एवं उद्योग धन्धे प्रभावित हो सकते हैं, फलस्वरूप औद्योगिक विकास प्रभावित हो सकता है।

<u>नैतिक प्रभाव –</u> अपराधों के कारण समाज में नैतिक मूल्यों में गिरावट हो सकती जिससे समाज में अनैतिक कृत्य व व्यवहार में वृद्धि हो सकती है।

<u>राजनैतिक प्रभाव –</u> समाज में अपराधों में वृद्धि के कारण नेताओं एवं प्रशासन पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है।

<u>निष्कर्ष –</u> समाज में बढ़ते अपराधों के पीछे व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य का योगदान एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है। इस संबन्ध में किये गये अध्ययनों से ज्ञात होता है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं व्यक्ति के व्यवहार और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। अपराधों का समाज पर बहुत गहरा व व्यापक प्रभाव पड़ता है। अपराधों को रोकने और समाज में सुरक्षा और स्थिरता के लिए मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करना आवश्यक है। इसके लिए हमें व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को महत्व देना चाहिए और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ानी चाहिए। समाज में जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए।

CHALLENGES OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE IN TEACHER EDUCATION

Prof. Namita Sahoo

Substantive advancement of AI in the field of education as well as in other training programmes and as a supportive tool for medical science, management sciences, engineering field applied research etc are showing its successful results. The term intelligence has been defined by many people in many ways, the capacity of a machine to do abstract thinking, logical reasoning, understanding, critical thinking, problem solving, self-awareness, creativity etc. All these abilities to learn and understand humane emotions are directly related to human being. Now all these activities were performed by a computer operated machine which is artificial intelligence. In other word we can say that it is the simulation of human intelligence by a computer software system and that is why it is also called machine intelligence.

No sectors in our surrounding is unaffected by the use of Al so as in education also. It has brought a drastic change in the teaching learning process and satisfies the need, interest and demand of learners considering their individual differences. Teacher Education is a skill based programme which need to develop skills individually in simulated face-to face interactive mode. Role of education is to develop human mind for application of skills in real classroom situation where he/she has to perform his learned skills based on contents. Similarly learners also come to know immediately about the effectiveness of applied skills by observing their students faces which is a direct feedback for them and much essential to know each other. On one hand Al is supporting potential engagement of students and teachers in classroom teaching learning process in many ways but in other hand it is specifically neglecting the social, emotional, and ethical consideration in the learners. As students are believing on individualize learning to satisfy their needs and interest they are now in a stage where they don't need any ones support or cooperation to complete any type of project work or assignments which further making them socially, emotionally and ethically isolated from each other.

Every innovation and it application in any field has their own pros and cons. Implementation of Al in teacher education and its application by teachers and trainees in their respective field have lots of challenges before them because teacher training is a practicum and internship based programme. The most important challenge before them is their too much dependency on techno based gadgets and readymade information's available for them which is decreasing their own thinking ability and cognitive functions, critical thinking, problem solving which further creating problem when disruption occurs in the technical failures or in cyber-attack they are unable to show their own creative thinking. Due to lots of intervention of Al in teaching learning process we are going to face lack of human interaction for having guidance, mentorship, motivation, encouragement, feedback, empathy and specifically communication skill.

Another challenge is related to the relevancy of content quality. Al is providing the standardized text on the basis of diverse perspectives but there is a risk of homogenization. No doubt now Al is being used by many educational institutions for better evaluation process, for objective testing it is proved to be an effective way to measure students performances within a prescribed time, but for subjective evaluation there is no standard criteria and no software has been developed for correction on answer sheet in online subjective evaluation. Similarly there are other challenging issues exists in its adoption and application like accuracy and quality of data, cost effectiveness, change in traditional teacher students classroom teaching learning environment etc.

So it is the duty of both teachers and students if they are using Al as a supportive tool for their teaching and learning practices then first select the content where Al is fit for all and satisfy learners needs without disturbing other's needs. Secondly clearly state your Al application objectives. Third the strategic plan where there must be some intervention of teacher. Fourth make sure that your students must acquaint with the new technology or tell them about the application of Al before time. Fifth make yourself familiarize with the Al tool and how to integrate it. Sixth tell your students about the ethical consideration that has a direct impact on their study as artificial intelligence is lacking the ethical consideration. Finally encourage students for open discussion with teachers and peers when they face any type of crises otherwise too much of dependence on any type of technology can block their cognitive development.

मूर्ख, मूर्खता और मूर्खतावाद

– डॉ0 सन्तोष पाल
असिसटेट प्रोफेसर

संसार का जितना विनाश समझदार लोगों ने किया उतना किसी आपदा अथवा महाविनाश ने भी नहीं किया। संसार में समझदार लोगों को अहंकार से बचाने और सृष्टि का संतुलन बनाए रखने के लिए मूर्खता एक अनिवार्य आवश्यकता है और इसकी गवेषणा सामान्य प्रायिकता वक्र (NPC) भी करती है। जब–जब संसार में समझदारी का आतंक फैलता है तब–तब इस संसार को बचाने के लिए मूर्खता आकार लेती है। वास्तव में यह ऐसा नैसर्गिक गुण है, जिसे न तो किसी विद्यालय में सिखाया जा सकता है और न ही किसी विश्वविद्यालय में पढ़ाया जा सकता है। यह ईश्वर की एक विशिष्ट देन है, जिसे केवल भाग्यशाली ही प्राप्त करते हैं। ज्ञान की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करना पड़ता है, लेकिन मूर्खता को धारण करने के लिए कोई परिश्रम आवश्यक नहीं होता। यह सहज, स्वाभाविक और अकाट्य रूप से बहती है, जैसे कोई नदी पहाड़ों से उतरकर मैदानों की ओर बढ़ती है। दिलचस्प बात यह है कि ज्ञान की यात्रा संघर्षों से भरी होती है –प्रत्येक विचार पर मंथन करना पड़ता है, प्रत्येक तर्क को कसौटी पर परखा जाता है। इसके विपरीत, मूर्खता बेझिझक, निरंकुश और निर्बाध प्रवाहित होती है। यह कभी थकती नहीं, कभी ठहरती नहीं बल्कि हर युग में, हर समाज में अपनी जड़े और गहरी कर लेती है, मानों यह दुनिया का सबसे प्राचीन और अडिग सत्य हो। इतिहास साक्षी है कि मूर्खता ने सदैव समाज पर अपना आधिपत्य बनाए रखा है। इसकी विशेषता यह है कि यह अकेले नहीं आती–यह आत्मविश्वास, हठधर्मिता और जबरदस्ती की तार्किकता का पूरा पार्सल लेकर प्रकट होती है। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी मूर्ख से यह तर्क करें कि ''धरती गोल है,'' तो वह मुस्कुराकर कहेगा ''अगर गोल होती, तो हम नीचे क्यों नहीं गिर जाते?'' मध्यकालीन यूरोप में वैज्ञानिकों को केवल इसलिए जिंदा जला दिया गया क्योंकि उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। गैलीलियो चर्च के कोप का शिकार हुए क्योंकि उन्होंने अपने बुद्धि–चक्षु खोलने का दुस्साहस किया। भारत में चार्वाक को ''नास्तिक''कहकर नकार दिया गया, क्योंकि वे अपने दृष्टिकोण से तर्क की बात कर रहे थे। संभवतः जब मूर्खता संगठित हो जाती है. तो समझदारी खतरे में पड़ जाती है।

21 वीं सदी मूर्खता के प्रसार का स्वर्ण युग बन चुकी है, जहाँ डिजिटल माध्यमों ने इसे वैश्विक मंच प्रदान कर दिया है। पहले मूर्खता सीमित दायरे में मौखिक रूप से प्रसारित होती थी, परंतु आज एक अधकचरा तर्क या 'सत्यशोधित' झूठ, जो कभी कुछ लोगों तक ही सीमित रहता, अब एक ट्वीट या पोस्ट के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचकर विचारधारा का रूप ले लेता है। सोशल मीडिया ने न केवल ज्ञान की पहुँच को लोकतांत्रिक बनाया, बल्कि भ्रामक सूचनाओं को भी शक्ति दी, जहाँ सत्य धीमे चलता है और झूठ पलभर में वायरल हो जाता है। बर्टेंड रसेल के अनुसार, ''अर्धज्ञान से अधिक खतरनाक कुछ नहीं, क्योंकि यह आत्मविश्वास देता है, जबकि पूर्ण ज्ञान संदेह पैदा करता है।'' मूर्खता का सबसे सुंदर पहलू यह है कि यह आत्मविश्वास, ज़िद और जबरदस्त तार्किकता का पूरा पार्सल लेकर आती है, जहाँ हर तर्क का प्रतिवाद बिना प्रमाण के प्रस्तुत कर दिया जाता है। मार्क ट्वेन का कथन, झूठ दुनिया का आधा चक्कर लगा लेता है, जब तक कि सच्चाई अपने जूते पहन रही होती है.'' इस युग की वास्तविकता को दर्शाता है, जहाँ अफवाहें और अज्ञानता न केवल तेजी से फैल रही हैं, बल्कि उन्हें व्यापक स्वीकृति भी मिल रही है। यह विडंबना ही है कि ज्ञान, जिसे अर्जित करने में वर्षों लगते हैं, मूर्खता की एक आंधी में पलभर में ध्वस्त हो सकता है। आधुनिक दौर में यह संघर्ष केवल सत्य और असत्य के बीच नहीं, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध है, जो विवेक को संदेह और मूर्खता को साहस समझने लगी है।

प्राचीन लोकज्ञान का यह कथन कि जब तक मूर्ख जिंदा है, तब तक चालाक भूखा नहीं मरेगा,'' आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। नोटबंदी के दौरान जब अर्थशास्त्री आर्थिक नीतियों पर चर्चा करने की भूल कर रहे थे, तब हमारी सामूहिक बुद्धिमत्ता इस गूढ़ प्रश्न में उलझी भी कि 2000 के नोट में चिप लगी है या नहीं?'' और जब वही 2000 का नोट बंद हुआ, तो इसे काले धन पर अंतिम प्रहार घोषित करने में जरा भी संकोच नहीं किया गया हालांकि असर केवल आम जनता पर पड़ा। आज मूर्खता के प्रसार की सबसे बड़ी फैक्ट्री सोशल मीडिया और न्यूज चैनल बन चुके हैं। पहले खबरे दी जाती थीं, अब चीख–चीखकर झूठ बेचा जाता है। बहसों का स्वरूप देख लीजिए सवाल कुछ और होगा, जवाब कुछ और मिलेगा, बीच में धर्म, राष्ट्रवाद, इतिहास और हमारी संस्कृति खतरे में है' का तड़का लगाकर इसे महाकाव्य बना दिया जाएगा। पहले पत्रकार रिपोर्टिंग करते थे, अब वे स्टैंड–अप कॉमेडियन' की तरह अभिनय करते हैं। न्यूज डिबेट का हाल ऐसा है कि पैनलिस्ट बहस करने नहीं, बल्कि चाय फेंकने और कुर्सी उठाने आते हैं और दर्शक मग्न होकर इसे लोकतंत्र का उत्सव मानते हैं। अब ज्ञान की कोई वेल्यू नहीं, 'लाइक' और 'शेयर' ही सफलता के नए मानक हैं। कोई व्यक्ति सड़क पर गिर जाता है और ट्रेंडिंग हो जाता है, जबकि वैज्ञानिक वर्षों की रिसर्च के बाद भी किसी सरकारी अनुदान के लिए जूते घिसते रहते हैं। पहले लोग अपनी उपलब्धियों से पहचाने जाते थे, अब मूर्खता भी एक करियर ऑप्शन बन चुकी है।
यदि मूर्खता का कोई सबसे बड़ा तीर्थस्थल है, तो वह राजनीति है जहाँ मूर्खता केवल सहन नहीं की जाती, बल्कि उसका विधिवत अभिषेक किया जाता है। राजनीति में सफलता का मूलमंत्र यही हैः योग्यता भूल जाओ, जनता को बस यह भरोसा दिलाओ कि ''मैं आपका आदमी और मैं जो कह रहा हूं, वही परम सत्य है।'' चुनाव लड़ने के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं, पर मूर्खता अनिवार्य योग्यता होती है। जितना बड़ा मूर्ख, उतनी ही बड़ी लोकप्रियता। एक नेता जो बिना किसी तथ्य के ऊल–जलूल दावे करता है, जनता के लिए वैसा ही आकर्षक होता है, जैसे बच्चे के लिए रंगीन गुब्बारा हवा भले ही अंदर कुछ न हो, पर मजा खूब आता है। राजनीति में मूर्खता केवल सहन ही नहीं की जाती, बल्कि उसे बड़े ही कलात्मक ढंग से संरक्षित, पोषित और स्थापित भी किया जाता है। वर्ष 2020 में अमेरिका में चुनाव हारने के बाद जब ''धांधली'' का झूठ गूंजा, तो सबूत की जरूरत नहीं थी सिर्फ बार–बार दोहराने से ही वह ''सत्य'' बन गया। लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर भीड़ ने संसद तोड़ डाली, यह साबित करने के लिए कि विश्वास, तर्क पर हमेशा भारी पड़ता है। यह इस बात को पोषित्व है कि मूर्खता लोकतंत्र की सबसे मजबूत मुद्रा है। उत्तर कोरिया के नेता बारिश में भीगते नहीं, बीमारी से ग्रस्त नहीं होते क्योंकि तानाशाही में विज्ञान की जगह चमत्कार ही चलता है। भारतीय राजनीति और सार्वजनिक विमर्श में भी ऐसे ही कई ''वैचारिक चमत्कार'' देखने को मिले हैं, जिन्होंने तर्क और विज्ञान जैसी अप्रासंगिक चीजों को पूरी तरह अप्रचलित कर दिया है। कोविड–19 के दौरान, जब पूरी दुनिया वैज्ञानिक अनुसंधान में व्यस्त थी, तब हमने गोमूत्र और गोबर से कोरोना के उपचार की क्रांतिकारी खोज कर ली थी। न केवल हमने गाय को प्लास्टिक पचाने वाली जैविक मशीन घोषित कर दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि ऑक्सीजन प्लांट की जगह हवन से वातावरण शुद्ध किया जाए। वैज्ञानिक समुदाय के लिए यह सबक था कि कैसे गूढ़ विज्ञान को आम जनता के तर्कहीन विश्वासों से मात दी जा सकती है। इतिहास भी इस प्रक्रिया से अछूता नहीं रहा। महाभारत काल में इंटरनेट, रामायण युग में पुष्पक विमान, और गणेश जी की प्लास्टिक सर्जरी जैसे बौद्धिक चमत्कार केवल ऐतिहासिक पुनर्लेखन नहीं, बल्कि तार्किकता की अंतिम हार का उद्घोष हैं।

अब, जब इतिहास को इस तरह सृजनात्मक रूप से पुनर्गठित किया जा सकता है. तो फिर तर्क और प्रमाण जैसी पुरानी, घिसी–पिटी अवधारणाओं से चिपके रहने की जरूरत ही क्या है? अब मूर्खता सिर्फ एक संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित नीति बन चुकी है। तथ्यों को इस कदर लचीला बना दिया जाता है कि वे किसी भी दिशा में मोड़े जा सकते हैं, और तर्कों को इस हद तक अनुकूलित किया जाता है कि वे हर परिदृश्य में प्रासंगिक लगे। संसार में फैली गरीबी और असमानता को देखकर इस वाद के एक प्रणेता ने आलू से सोना बनाने का रहस्य खोज विज्ञान को परास्त कर अर्थशास्त्र को समस्याओं से मुक्त कर दिया। वर्षों से रसायनज्ञ और भौतिकविद इस समस्या पर व्यर्थ में शोध करते रहे, जबकि इसका समाधान हमारे समाज के अद्वितीय ज्ञानी ने बातों ही बातों में निकाल दिया। अब, जब कोई संत यह उद्घोषणा कर देता है कि आलू को उचित विधि से संसाधित करके सोने में परिवर्तित किया जा सकता है, तो यह विज्ञान की नहीं, बल्कि समाज की परीक्षा होती है और हम इसमें हमेशा उत्तीर्ण होते हैं! बुद्धिमत्ता अब विलीन नहीं हुई, वह एक मौन प्रतिरोध में परिवर्तित हो चुकी है। और मूर्खता? वह अब केवल एक घटना नहीं, बल्कि नीति बन गई है। तर्कहीनता की यह यात्रा केवल एक विचारधारा नहीं, बल्कि संस्कृति बन चुकी है, जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य की चर्चा केवल एक निष्फल श्रम है और भव्य मूर्तियों, ऊँचे झंडों, और ऐतिहासिक पुनर्लेखन का महाकाव्य लिखा जा रहा है।

अब सवाल उठता है–इस मूर्खता के स्वर्ण युग में बचा कैसे जाए? उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि तर्क से जीना केवल कठिन ही नहीं, बल्कि असुरक्षित भी है। मूर्ख व्यक्ति भीड़ में सुरक्षित रहता है, उसकी अज्ञानता उसे गुमनामी में छिपाए रखती है, जबकि बुद्धिमान अपने ही विचारों के बोझ तले दबकर अलग–थलग पड़ जाता है। वह स्वघोषित सुधर्मा सभा में प्रवेश तो कर सकता है, लेकिन वहाँ अपने ही किसी बुद्धिमान बिरादरी के तीक्ष्ण तर्कों से घायल होकर निष्कासित भी हो सकता है। प्लेटो ने चेताया था–''बुद्धिमान व्यक्ति को समाज में अक्सर अकेलेपन का शिकार होना पड़ता है, जबकि मूर्खता भीड़ को संगठित कर देती है।'' इसीलिए, यदि आप तर्कशील हैं, तो सतर्क रहें–दुनिया आपको खतरा मान सकती है और यदि आप मूर्ख हैं, तो निश्चिंत रहे–दुनिया आपको समर्थन देगी। वोल्टेयर ने भी आगाह किया था ''जब बहुसंख्यक किसी मूर्खता को सत्य मान लें, तो सत्य को साचित करना सबसे कठिन कार्य हो जाता है।'' तो आइए, बुद्धि का मोह त्यागिए, विचारशीलता का भार उतार फेकिए और मूर्खतावाद के इस महासमारोह का पूरे हृदय से स्वागत कीजिए। सत्य की खोज में व्यर्थ क्यों भटकना, जब भ्रम को गले लगाकर सम्मान पाया जा सकता है? तर्क, विवेक और बुद्धिमत्ता के इस अनावश्यक विलास से मुक्त होइए, और इस स्वर्णिम युग में अपनी योग्यता प्रमाणित कीजिए जहाँ वास्तविक योग्यता की कोई आवश्यकता ही नहीं।

वार्षिक वृतान्त 2023-2025

इतिहास गवाह है कि अपने पूर्व के वर्षों की ही भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय अपनी प्रगति, उत्थान तथा सफलताओं का परचम लहराने में अग्रणी रहा। शैक्षिक उन्नयन के साथ साथ महाविद्यालय की भौतिक सुविधाओं ने भी अपने पांव फैलाएं। उपयोगी संसाधन में विस्तार के साथ–साथ पठन पाठन को भी सुविस्तार मिला। महाविद्यालय में पांच असिस्टेंट प्रोफेसर के आगमन से शिक्षण अधिगम व्यवस्था को एक नया आयाम मिला। बी०एड० प्रशिक्षण के लिए निर्धारित सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक पाठ्यक्रम पूर्व की ही भांति सुचारू रूप से गुणात्मकता के साथ संपन्न हुआ। इसी के समानांतर पाठ्य सहगामी क्रियाए भी संचालित होते हुए प्रशिक्षणार्थियों की प्रतिभा तथा योग्यता का विस्तार करती रहीं। पूर्व में प्रशिक्षणार्थियों की कार्य कुशलता, क्षमता तथा नेतृत्व की भावना को दृष्टिगत रखते हुए कुछ ऐसे छात्र प्रतिनिधि का चयन किया जाता था जो महाविद्यालय के विभिन्न कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करते थे। परंतु प्रस्तुत वर्ष इस प्रक्रिया में परिवर्तन करते हुए चुनाव करवाया गया। चुनाव अधिकारी डॉ०राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में दिनांक 22/11/2023 को विभिन्न नियमों एवं निर्देशों के आलोक में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई और समस्त वोटों की गणना के आधार पर निम्नलिखित प्रशिक्षणार्थियों से मिलकर **"छात्र काउंसिल 2023"** का निर्माण हुआ

छात्र प्रतिनिधि 2023-2024

सीनियर प्रिफेक्ट	**–**	**मनीष पति त्रिपाठी**
क्लास रिप्रेजेंटेटिव	**तृतीय सेमेस्टर**	**स्वाति केसरी (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		पंकज यादव (छात्राध्यापक वर्ग)
क्लास रिप्रेजेंटेटिव	**प्रथम सेमेस्टर**	**दिव्या पटेल (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		संदीप कुमार (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेक्रेटरी	**तृतीय सेमेस्टर**	**सुनीता सिंह (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		धर्मेंद्र प्रताप सिंह (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेक्रेटरी	**प्रथम सेमेस्टर**	**रियांशु सिन्हा (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		संजय कुमार रोशन (छात्राध्यापक वर्ग)
जेंडर चैंपियन	**तृतीय सेमेस्टर**	**दीपिका यादव (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		प्रसून यादव (छात्राध्यापक वर्ग)
स्पोर्ट्स कैप्टन	**प्रथम सेमेस्टर**	**आशीष त्रिपाठी (छात्राध्यापक वर्ग)**

सत्र भर की पाठ्य सहगामी क्रियाओं का विवरण अग्राकिंत हैः–

दिनांक 15 / 08 / 23 को देश का **77वाँ स्वाधीनता दिवस** हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज को नमन करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव द्वारा ध्वजारोहण किया गया। आपने उद्बोधन में सभी को 77वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अमर शहीदों की शहादत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा वर्तमान में देश द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों की चर्चा की। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किए जाने वाले उद्घोष **"वंदे मातरम, भारत माता की जय, जब तक सूरज चांद रहेगा भारत तेरा नाम रहेगा"** जैसे भारत देश और उसके राष्ट्रीय प्रतीकों का यशगान तथा महिमा मंडन करने वाले असंख्य श्लोगन के साथ प्राचार्या, समस्त शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने एक रैली निकाली। उसके पश्चात महाविद्यालय में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक मनीष पति त्रिपाठी ने किया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उक्त कार्यक्रम में बाल कलाकार शांभवी कुशवाहा ने भी राष्ट्रीय एकता के रंग से सरोबार अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

यू0जी0सी0 शिक्षा मंत्रालय द्वारा 12 अगस्त से 18 अगस्त 2023 तक रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता प्रसार की दिशा में आयोजित होने वाले **Anti Ragging Week** के तहत महाविद्यालय में उक्त विषयक **नारा लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, रेखा चित्र अभिकल्प प्रतियोगिता, तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता** आयोजित की गई जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी अपनी सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की। उक्त प्रतियोगिताओं में **नारा लेखन प्रतियोगिता** में प्रथम स्थान पर निधि शर्मा रही। **पोस्टर प्रतियोगिता** में प्रथम स्थान पर श्रद्धा सिंह, द्वितीय स्थान पर अलका देवी पराशर तथा तृतीय स्थान पर ग्रेस निहारिका तथा अदिति यादव रही। **रेखाचित्र अभिकल्प प्रतियोगिता** में प्रथम स्थान पर सौरव तिवारी, द्वितीय स्थान पर प्रियांशी शर्मा तथा तृतीय स्थान पर निमा शुक्ला रहीं जबकि **निबंध प्रतियोगिता** में प्रथम स्थान पर निमा शुक्ला, द्वितीय स्थान पर अमरजीत तथा मनीष पति त्रिपाठी व तृतीय स्थान पर सौरव तिवारी रहें। उक्त प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को प्राचार्या द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी गई तथा अन्य प्रशिक्षणार्थियों को भविष्य में और बेहतर प्रस्तुति के लिए कुछ सुझाव दिए गए। उक्त प्रतियोगिता में महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षणार्थी तथा प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

दिनांक 05 / 09 / 2023 को भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को **शिक्षक दिवस** के रूप में मनाया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने प्राचार्या समेत समस्त शिक्षकों को मंगल तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ–साथ डॉ0 राधाकृष्णन के व्यक्तित्व से सबंधित विभिन्न प्रस्तुतियां आज के कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रही। प्राचार्या ने समस्त प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए डॉ0 राधाकृष्णन के महान व्यक्तित्व से हम सभी को प्रेरणा लेने की बात कहते हुए उन्हें शिक्षक के महत्वपूर्ण पद की महत्ता को समझाया। महाविद्यालय में दिनाक 12 / 08 / 2023 से 18 / 08 / 2023 तक आयोजित **एंटी रैगिंग साप्ताहिक** कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्या द्वारा प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक मनीष पति त्रिपाठी ने किया। उक्त कार्यक्रम में समस्त शिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बी0एड0 तृतीय तथा प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी सुशांत,

अमृता गोस्वामी, निमा शुक्ला, स्वाती केसरी, ग्रेस निहारिका, सरगम मिश्रा, दिव्या, श्रुति, इन्द्रा, मान्यता, अदिति, सोनाली, संदीप मौर्य, प्रियांशु सिंह, अनूप दुबे, पंकज दोहरे, अनिकेत, पुष्कर, आशय सोनकर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए प्राचार्या द्वारा समस्त प्रशिक्षकों को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में उपहार भेंट किया गया।

राजभाषा हिंदी पखवाडा 2023 के तत्वावधान में दिनांक 13/09/2023 को महाविद्यालय में प्रोफेसर संतोष भदौरिया, संयोजक राजभाषा समिति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा **"सामाजिक बदलाव में साहित्य की भूमिका"** विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्या ने प्रोफेसर भदौरिया को पुष्प गुच्छ तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। राजभाषा हिंदी पखवाड़ा 2023 के तत्वावधान में महाविद्यालय में पूर्व में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक महाविद्यालयों से विभिन्न प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उक्त प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रोफेसर भदौरिया तथा प्राचार्या के कर कमलों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया जिसमे काव्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक गौड़ के0पी0 ट्रेनिग कालेज, द्वितीय स्थान रंजू तिवारी राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान अमृता गोस्वामी के0पी0 ट्रेनिग कालेज तथा सांत्वना प्रिया तिवारी राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय को मिला। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा सिंह, जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज, द्वितीय स्थान तृप्ति मिश्रा राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय, तृतीय स्थान स्वाति गुप्ता जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज तथा सांत्वना अंजू तिवारी राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय को मिला। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वाति गुप्ता जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज, द्वितीय स्थान नेहा सिंह जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज तथा तृतीय स्थान आभा यादव जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज को मिला जबकि कोलाज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अमृता गोस्वामी के0पी0 ट्रेनिग कॉलेज, द्वितीय स्थान स्वाति गुप्ता जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, तृतीय स्थान आभा यादव जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज तथा सांत्वना नेहा सिंह जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज को दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 नमिता साहू ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे।

यूजीसी द्वारा निर्गत पत्र D.O. No.- 2-50/ 2023 (CPP-2nd) Dated 21st August, 2023 के अनुपालन में **स्वच्छता ही सेवा अभियान** के तत्वावधान में दिनांक 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज प्रयागराज के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा **"एक घंटा एक तारीख"** के संकल्प को पूरा किया गया। प्राचार्या के नेतृत्व में उक्त अभियान को प्रशिक्षणार्थी, शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा पूर्ण सक्रियता के साथ मूर्त रूप प्रदान किया गया। प्रशिक्षणार्थी द्वारा न केवल महाविद्यालय के परिसर वरन आसपास के क्षेत्र में भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया गया। प्राचार्या द्वारा वहां के लोगों को हमारे पूर्वजों द्वारा कही गई कहावत ''स्वच्छ स्थान पर ही लक्ष्मी का वास होता है'' को तर्क सहित समझाया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम **"स्वच्छ भारत अभियान"** का उद्देश्य केवल आसपास की सफाई करना ही नहीं बल्कि सभी के सहयोग से **अधिक से अधिक पेड़ लगाना, प्रदूषण मुक्त पर्यावरण रखना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, सर्वांगीण स्वच्छता को अपने जीवन में आदत की तरह अपना कर स्वस्थ जीवन विकसित करना भी** इस कार्यकम का मूल उद्देश्य है जिससे एक स्वच्छ भारत का निर्माण हो सके।

इसी को दृष्टिगत रखते हुए 03/10/2023 को महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा महाविद्यालय तथा परिसर के आसपास जमें कूड़ा करकट को हटाया गया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आस पास की बस्तियों में निवास करने वाले लोगों से पारस्परिक अंतःक्रिया कर स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हुए जीवन में इसकी अनिवार्यता को स्पष्ट किया गया। इस पखवाड़े में सर्वप्रथम **स्वच्छता शपथ दिवस** मनाते हुए स्वच्छता बनाए रखने के लिए शपथ ली गई। इसके पश्चात स्वच्छ भारत की संकल्पना को चरितार्थ करते हुए एक रैली निकाली गई जिसमे –

"गांधी जी के सपनों का,
भारत हमे बनाना है
पूरा भारत स्वच्छ रहे,
यही हमारा नारा है"
"स्वच्छ भारत अभियान में ले भाग
आओ भारत सुंदर बनाए एक साथ"
"भारत सरकार का इरादा
संपूर्ण स्वच्छता का वादा"

जैसे श्लोगनों के साथ आसपास का वातावरण गुंजायमान हो उठा। उक्त रैली में प्रशिक्षणाथियों ने स्वच्छ भारत के निर्माण की दिशा में **वृक्षारोपण तथा स्वच्छता के साथ–साथ भ्रष्टाचार मुक्त भारत, लैंगिक असमानता के भाव से मुक्त भारत, हमारा आन, बान और शान भारत** आदि पर आधारित श्लोगन्स को तख्तियों पर लिखकर उस पर भी नारे लगाए। इसी स्वच्छता अभियान की श्रृंखला में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में **स्वच्छता के महत्व विषयक पोस्टर एवं पेंटिग कार्यक्रम का आयोजन, "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांत" विषयक वाल मैगजीन का सृजन, "स्वच्छता का हरियाली से घनिष्ठ संबंध है"इसे फलीभूत करते हुए महाविद्यालय में पौधारोपण तथा पूर्व से विद्यमान पौधों की गुड़ाई आदि** इस अभियान के तत्वावधान में आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम रहे। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे।

दिनांक 13/10/2023 को महाविद्यालय में **"उत्कर्ष"** के तत्वावधान में तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए **फ्रेशर फंक्शन** का आयोजन किया गया। सोशल सेक्रेटरी पुष्कर कुमार तथा ग्रेस निहारिका द्वारा प्रथम सेमस्टर के प्रशिक्षाणार्थियों का मंगल तिलक करके उनका स्वागत और अभिनंदन किया। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रासंगिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। प्राचार्या ने प्रशिक्षणार्थियों को संयमित और आदर्श शिक्षक होने के मूल मंत्र **5D अर्थात ड्रीम (स्वप्न), डिस्कवर (अन्वेषण), डिजाइन (अभिकल्प), डिलीवर (प्रदान करना) एंड डिसिप्लिन (अनुशासन)** आदि की विशद चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन क्लास रिप्रेजेंटेटिव निमा शुक्ला ने किया। उक्त कार्यक्रम मे तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी पुष्कर कुमार, निमा शुक्ला, पंकज दोहरे और प्रसून यादव के नेतृत्व में रक्षा कुशवाहा, आशीष सिंह, धनंजय, सरगम, अनिरुद्ध, आशय सोनकर, मनीष पति त्रिपाठी, प्रदीप यादव, इंदिरा कुशवाहा, पवन कुमार, सोनाली जायसवाल, स्तुति कोटार्या, दीपिका यादव, रियांशु सिन्हा, साक्षी राय, सुमित, सुनीता, दीपक यादव आदि प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। बाल कलाकार शांभवी कुशवाहा का नृत्य सभी के आकर्षक का केंद्र रहा।

महाविद्यालय में **पांच दिवसीय स्काउटिंग गाइडिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम** का समापन समारोह दिनांक 10/11/2023 को सर्व धर्म प्रार्थना के साथ हुआ। उक्त प्रशिक्षण जिला गाइड ट्रेनर डॉ0 शशि जायसवाल, जिला गाइड ट्रेनर डॉ0 नसरीन रिजवी तथा जिला स्काउट ट्रेनर श्री वेद प्रकाश भगत जी के निर्देशन एवं संरक्षण में हुआ। उक्त कार्यक्रम में श्री आर0एन0 शुक्ला जी ने भी प्रशिक्षणार्थियों को स्काउट गाइड के विभिन्न कर्तव्य तथा कौशलों से परिचित कराया। तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों ने इन पांच दिवसों में विभिन्न प्रकार की प्रार्थना, स्काउट गाइड नियम तथा उनके कर्तव्य, विभिन्न प्रकार की गांठे, कम संसाधनों में अधिक से अधिक कार्य निष्पादन, टेंट बनाना आदि से संबंधित विभिन्न बातों को आत्मसात किया। उक्त प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को डॉ0 मनीष कुमार सिन्हा विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग, सीएमपी पीजी कॉलेज, डॉ0 योगेंद्र प्रताप सिंह प्राचार्य के0पी0 इंटर कॉलेज, श्री कमलेश द्विवेदी सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर तथा श्री मदन मोहन संकघर प्राचार्य मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज करछना का भी आशीर्वचन प्राप्त हुआ। आप सभी ने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न प्रकार के प्रेरक प्रसंग के माध्यम से अभिप्रेरित किया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कैंप फायर के दौरान विभिन्न प्रकार के गीत, संगीत तथा नृत्य भी प्रस्तुत किए गए। समापन समारोह में प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर अपने पाक कौशल का भी परिचय दिया। संचालन तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी मनीष पति त्रिपाठी ने किया। अतिथि का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव ने किया। आपने समस्त प्रशिक्षणार्थियों को आशीर्वचन देते हुए अनुशासन और समर्पित भाव से एक कर्तव्यनिष्ठ स्काउट गाइड बनाने की बात कही। कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत धनतेरस के उपलक्ष्य में प्राचार्या तथा समस्त महाविद्यालय परिवार ने लक्ष्मी गणेश का पूजन कर महाविद्यालय में ज्ञान, बुद्धि, विद्या और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

दिनांक 30/11/2023 को महाविद्यालय में **151वीं कुलभाष्कर जयंती** का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अतुल कुमार शरन, वित्त अधिकारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहें जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह, अध्यक्ष काथस्थ पाठशाला न्यास प्रयागराज ने किया। प्राचार्या ने अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्राचार्या समेत मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष महोदय ने प्रातः स्मरणीय स्वनाम धन्य मुंशी जी के जीवन के प्रेरक प्रसंगों की चर्चा करते हुए उसे हम सबको अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आए विभिन्न अतिथियों के कर कमलों द्वारा महाविद्यालय की **द्विवार्षिक पत्रिका "भव्य"** का विमोचन किया गया। उक्त अवसर पर श्री वी0एस0 लाल,सदस्य कायस्थ पाठशाला न्यास, प्रो0 अजय प्रकाश खरे, प्राचार्य, सीएमपी पीजी कॉलेज, विभागाध्यक्ष डॉ0 मनीष कुमार सिन्हा, वाणिज्य विभाग सीएमपी पीजी कॉलेज, डॉ0 नीता वर्मा, वाइस प्रिंसिपल सीएमपी पीजी कॉलेज, डॉ0 अंजनी, डॉ0 सारिका, डॉ0 राजकुमार, डॉ0 तेज बहादुर, डॉ0 ए0के0 तिवारी, कॉमर्स विभाग सीएमपी पीजी कॉलेज, श्री रवि कुमार श्रीवास्तव, सदस्य कायस्थ पाठशाला न्यास, महाविद्यालय के प्रशिक्षक डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अतुल गुर्टू , डॉ0 नमिता साहू, डॉ0 मंजू चौधरी, डॉ0 संतोष कुमार पाल, डॉ0 विक्रांत भास्कर, डॉ0 धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डॉ0 तन्वी वर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0शक्ति शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 राजेश कुमार पाण्डेय ने दिया।

महाविद्यालय में दिनांक 26/01/24 को **75 वां गणतंत्र दिवस** धूमधाम के साथ मनाया गया। प्राचार्या ने झंडारोहण कर सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रशिक्षणार्थियों ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न प्रेरक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। प्राचार्या ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आजादी के स्वर्णिम प्रभात की सौगात देने वाले हमारे अमर शहीदों के प्रति हम सभी का रोम रोम ऋणी है। आपने विकसित देश की श्रेणी में सम्मिलित होने वाले भारत देश की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां को सराहा तथा इन उपलब्धियां को और अधिक सम्पृक्त बनाने के लिए देश की भावी पीढ़ी का आवाहन किया। आपने हमारे देश के उन तमाम प्रहरियों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित किया जिनके कारण आज हम सभी सुरक्षित और महफूज हैं। उक्त कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षणार्थी, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहें।

शहीद दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 30/01/2024 को महाविद्यालय में **ऐंस्थर सिंह वाद विवाद एवं देश भक्ति विषयक काव्य पाठ प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी0एस0 यादव, भौतिक विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहें। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के0पी0 ट्रस्ट ने किया। प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ0 नीता सिंह उप प्राचार्या सीएमपी पीजी कॉलेज, डॉ0 संतोष श्रीवास्तव (सचिव ऑक्टा) एसोशिएट प्रोफेसर, रसायन शास्त्र विभाग सीएमपी पीजी कॉलेज तथा डॉ0 रतन कुमारी वर्मा, एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग जगत तारन गर्ल्स पीजी कॉलेज रहे। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। वाद विवाद प्रकरण सदन की सम्मति में **"नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग प्रासंगिक है"**के पक्ष में बोलते हुए के0पी0 उच्च शिक्षण संस्थान की रोली श्रीवास्तव ने सर्वोत्तम वक्ता तथा विनर की चल वैजयंती जीती जबकि द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए ई0सी0सी0 के सैयद साहिल अब्बास नकवी ने रनर की शील्ड जीती। सांत्वना पुरस्कार ई0सी0सी0 के पवन कुमार त्रिपाठी को दिया गया। **देशभक्ति विषयक काव्य पाठ प्रतियोगिता** में यूंईग क्रिश्चियन कॉलेज की लाइबा खान ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए विनर की चल वैजयंती जीती। जबकि के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज की रक्षा कुशवाहा ने रनर की चल वैजयंती प्राप्त की। सांत्वना पुरस्कार महाविद्यालय की ही महिमा सिंह को प्राप्त हुआ। उक्त प्रतियोगिता में प्रयागराज जनपद के विभिन्न बी0एड0 प्रशिक्षण महाविद्यालय से लगभग 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया था। प्राचार्या ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष महोदय ने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन को सराहा। आप दोनों ने समस्त विजेता प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दिया तथा समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय ने किया। उक्त अवसर पर के0पी0 ट्रस्ट के उपाध्यक्ष (शिक्षा), उपाध्यक्ष (वित्त)महाविद्यालय के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 नमिता साहू, डॉ0 अतुल गुर्टू, डॉ0 मंजू चौधरी, डॉ0 संतोष कुमार पाल, डॉ0 विक्रात सिह, डॉ0 धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डॉ0 तन्वी वर्मा आदि उपस्थित रहे।

दिनांक 27 तथा 28 फरवरी को महाविद्यालय की **64वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता** संपन्न हुई जिसकी मुख्य अतिथि श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव भूतपूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी तथा वर्तमान में भारतीय रेल में स्पोर्ट्स कोच तथा सचिव हॉकी प्रयागराज रहीं। सर्वप्रथम प्राचार्या तथा खेलकूद प्रभारी

K.P. TRAINING COLLEGE PRAYAGRAJ

डॉ0 मंजू चौधरी असि0 प्रो0 के द्वारा मुख्य अतिथि को बैज लगाकर तथा मोमेंटो प्रदान कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया गया। महाविद्यालय के ऑफिस वियरर द्वारा समस्त प्रशिक्षकों को बैज अलंकरण कर उनका भी स्वागत किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने स्वागत गीत गाया तथा मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। कार्यक्रम के मुख्य इवेंन्ट्स 50 मीटर, 100 मीटर तथा 200 मीटर की दौड़, शॉट पुट, लॉन्ग जम्प, स्लो साइकिल रेस, आदि रहे। उक्त प्रतियोगिता के परिणाम निम्न प्रकार रहे–

100 मीटर दौड़	**(छात्राध्यापक वर्ग)**	**प्रथम**	**आशीष कुमार सिंह**
		द्वितीय	**आयुष कुमार यादव**
		तृतीय	**राकेश यादव**
50 मीटर दौड़	**(छात्राध्यापिका वर्ग)**	**प्रथम**	**श्रद्धा**
		द्वितीय	**प्रज्ञा दुबे**
		तृतीय	**इन्द्रा कुशवाहा**
स्लो साइकिल रेस	**(छात्राध्यापिका वर्ग)**	**प्रथम**	**इन्द्रा कुशवाहा**
		द्वितीय	**सोनाली जायसवाल**
शॉट पुट	**(छात्राध्यापिका वर्ग)**	**प्रथम**	**रक्षा कुशवाहा**
		द्वितीय	**प्रज्ञा दूबे**
		तृतीय	**महिमा सिंह**
शॉट पुट	**(छात्राध्यापक वर्ग)**	**प्रथम**	**आयुष कुमार दुबे**
		द्वितीय	**तरुण भारती**
		तृतीय	**सौरव सिंह**
लाँग जंप	**(छात्राध्यापक वर्ग)**	**प्रथम**	**आशीष सिंह**
		द्वितीय	**कुंदन**
		तृतीय	**रोहित कुमार बैस**
लाँग जंप	**(छात्राध्यापिका वर्ग)**	**प्रथम**	**सोनाली जायसवाल**
		द्वितीय	**कृति तिवारी**
		तृतीय	**प्रज्ञा दुबे**
200 मीटर दौड़	**(छात्राध्यापक वर्ग)**	**प्रथम**	**रोहित कुमार बैस**
		द्वितीय	**आयुष कुमार यादव**
		तृतीय	**अमन बालकृष्ण चौधरी**

उक्त खेलकूद प्रतियोगिता में एकल विजेता का खिताब छात्राध्यापक वर्ग से आशीष सिंह तथा छात्राध्यापिका वर्ग से सोनाली जायसवाल को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शक्ति शर्मा ने किया। उक्त कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक तथा प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। समस्त इवेंट्स में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व प्राचार्या द्वारा क्रमशः स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक प्रदान कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। उपरोक्त इवेन्ट्स के साथ–साथ छात्राध्यापक वर्ग तथा छात्राध्यापिका वर्ग से म्यूजिकल चेयर इवेन्ट्स का भी आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में दिनांक 5 मार्च को आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में **स्वैच्छिक रक्तदान शिविर** का आयोजन किया गया जिसमें वॉलंटरी ब्लड फोरम और इंकलाबी ब्लड डोनर्स एसोशिएसन द्वारा कैप्टन एस0एम0एम0 नकवी और श्री शाहिद असकारी के नेतृत्व में कार्यालय प्रमुख अधीक्षक मोतीलाल नेहरू मंडली चिकित्सालय प्रयागराज के डॉ0 अंजली पाल फिजिशियन, श्री कुलदीप सिंह फार्मासिस्ट, श्री सुशील कुमार तिवारी परामर्शदाता, श्रीमती साधना सिंह स्टाफ नर्स, श्री बृजेश कुमार पांडे, एल टी, श्री अवधेश कुमार, एल टी. श्री बिलाल शहर एल टी, सुनील कुमार पांडे लैब सहायक आदि की सक्रिय भूमिका रही। महाविद्यालय के असि० प्रो० डॉ० संतोष पाल तथा प्रशिक्षणार्थियों ने रक्त दान कर परहित के प्रतिभागी बने। प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव ने आप सभी का स्वागत और अभिनंदन किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन आइक्यूएसी की कोऑर्डिनेटर डॉ० नमिता साहू ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक एव प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। रक्तदान के पश्चात संगठन की तरफ से प्रशिक्षणार्थियों को फल तथा महाविद्यालय की ओर से चाय और बिस्किट प्रदान किया गया।

महाविद्यालय में **निर्देशन एवं करियर काउंसलिंग** के तत्वावधान में दिनांक 14/03/2024 को मॉडल करियर सेंटर इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के डॉ0 सुग्रीव सिंह करियर काउंसलर का व्याख्यान रहा। कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर डॉ0 प्रियंका सिंह ने मुख्य वक्ता को पौधा और स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। आपके साथ आए डॉ0 अभिषेक श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने भी अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी तमाम जिज्ञासाएं प्रस्तुत करते हुए प्रस्तुत शैशन को बहुत ही इंटरएक्टिव बनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय ने किया। उक्त कार्यक्रम में समस्त शिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने **योग और स्वास्थ्य** विषय पर दिनाक 20 मार्च को चन्द्र शेखर आजाद पार्क, प्रयागराज में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। उक्त नाटक में प्रशिक्षणाथियों ने अपने अभिनय और संवाद के माध्यम से स्वास्थ्य और योग का संबंध बताते हुए योग को जीवन जीने का मूल मंत्र बताया और अपने अभिनय से दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। प्रशिक्षणार्थियों ने उक्त नाटक महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 मंजू चौधरी के निर्देशन में किया। उक्त अवसर पर एसोशिएट प्रोफेसर डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 नमिता साहू, डॉ० शक्ति शर्मा तथा समस्त प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे। उक्त तिथि पर ही प्रशिक्षणार्थियों द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० धर्मेद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में संगम नोज पर साफ–सफाई का भी कार्यक्रम किया गया। उक्त **स्वच्छता अभियान** में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० मंजू चौधरी, डॉ० संतोष पाल, डॉ० विक्रांत भास्कर तथा डॉ0 तन्वी वर्मा भी उपस्थित रहे। उक्त दोनो सामुदायिक गतिविधियां प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित तथा संस्तुत थी।

दिनांक 13 अप्रैल को **"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: बहु भाषी बहु सांस्कृतिक तथा बहुविषयक शिक्षा के माध्यम से भारतीय परंपराओं और संस्कृतियों को पुनजीर्वित करना"** प्रकरण पर **एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार** का आयोजन किया गया जिसमें इनऑगरल सैशन के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री अजीत कुमार, हाईकोर्ट इलाहाबाद, प्रयागराज रहे जबकि विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी०के० साहू भूतपूर्व वाइस चांसलर इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहे। सर्वप्रथम डॉ० संतोष पाल और डॉ० विक्रांत भास्कर ने समस्त मंचासीन अतिथियों का बैज अलकरण किया।

अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि को अंग वस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत किया। डॉ० प्रियंका सिंह ने मुख्य अतिथि को, डॉ० शक्ति शर्मा ने विशिष्ट अतिथि को, डॉ० अतुल गुर्टू ने अध्यक्ष महोदय को, डॉ० मंजू चौधरी ने कोषाध्यक्ष के.पी.ट्रेनिग कॉलेज को, डॉ० संतोष कुमार पाल ने प्राचार्या जी को पुष्प गुच्छ तथा मोमेंटो देकर उनका स्वागत और सत्कार किया। प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव ने सभा भवन में उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। प्रोफेसर साहू ने अपने व्याख्यान में संस्कृति को विकास का मूलाधार बताते हुए प्रस्तुत नीति के विभिन्न पहलुओं की विशद चर्चा की। मुख्य अतिथि ने भी संस्कृति और परंपराओं को व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य बताया। देश के विभिन्न भागों से आए प्रतिभागियों ने सेमिनार के प्रकरण पर अपने–अपने प्रपत्र पढ़े। उक्त सेमिनार के वैलिडिक्ट्री सेशन के मुख्य अतिथि प्रोफेसर धनंजय यादव विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर जे०एन० त्रिपाठी अर्थ एङ प्लेनेटरी साइंसेज विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाइस प्रेसिडेंट (एजुकेशन) के०पी० ट्रस्ट ने किया। अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि को अंग वस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। डॉ० अतुल गुर्टू ने मंचासीन अतिथियों का बैज अलंकरण किया। डॉ० नमिता साहू ने मुख्य अतिथि, डॉ० धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विशिष्ट अतिथि डॉ० राजेश कुमार पांडे ने अध्यक्ष महोदय का, डॉ० विक्रांत भास्कर ने प्राचार्या जी को मोमेटो और बुके देकर उनका स्वागत और सत्कार किया। सेमिनार में महाविद्यालय की **एडिटेड बुक "नई शिक्षा नीति 2020: शिक्षा में व्यापक रूपांतरण"** का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण छात्राध्यापिकाओं द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर बनाई गई भव्य रंगोली थी जिसे केंद्र में रखते हुए दोनों सत्रों के मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर जे0 एन0 त्रिपाठी ने अपने उद्‌बोधन में गुरुकुल प्रणाली और वर्तमान शिक्षा प्रणाली का तुलनात्मक विश्लेषण किया वहीं मुख्य अतिथि प्रोफेसर धनंजय यादव ने 'लर्निंग सेंट्रिक अप्रोच पर सर्वाधिक बल दिया। डॉ० नमिता साहू ने सेमिनार के दोनों सत्रों की सम्पूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उक्त अवसर पर प्रोफेसर अंबालिका सिन्हा डिपार्मेंट आफ ह्यूमैनिटी साइंस, एम०एन०एन०आई०टी० प्रयागराज, डॉ० शोभा श्रीवास्तव भूतपूर्व प्राचार्या के०पी० ट्रेनिंग कॉलेज, डॉ० नीता सिन्हा उप प्राचार्या सीएमपी पीजी कॉलेज, डॉ0 एस0 के0 मिश्रा भूतपूर्व वित्त अधिकारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय (वाणिज्य विभाग सीएमपी पीजी कॉलेज), डॉ0 मनीष कुमार सिन्हा विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग सीएमपी पीजी कॉलेज, प्रोफेसर गीतांजलि मौर्य प्राचार्या कुलभास्कर पीजी कॉलेज, डॉ0 ए0के0 श्रीवास्तव एसोशिएट प्रोफेसर श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीजी कॉलेज, प्रोफेसर एम0पी0 त्रिपाठी आरआरपीजी कॉलेज अमेठी, डॉ० धर्मेंद्र व्यास असिस्टेंट प्रोफेसर आरआरपीजी कॉलेज अमेठी, श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव प्रवक्ता संगीत, किदवई इंटर कॉलेज, श्रीमती पारूल श्रीवास्तव प्रवक्ता रसायन विज्ञान, के०पी० इंटर कॉलेज, के०पी० ट्रस्ट तथा गवर्निंग बॉडी के०पी० ट्रेनिग कॉलेज के माननीय सदस्य तथा बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहें। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी सीनियर प्रिफेक्ट मनीष पति त्रिपाठी तथा प्रसून यादव, सुशांत, शिवांश मिश्रा, सौरव तिवारी, निमा शुक्ला, सुनीता सिंह, साक्षी, अनूप दुबे, पुष्कर कुमार, पंकज दोहरे, नागेंद्र यादव, अनिकेत, आशय सोनकर, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, राहुल कुमार बैस, दीपिका यादव, संजय कुमार रोशन, संदीप यादव, संदीप कुमार, आयुष कुमार यादव, राकेश कुमार यादव, अमरजीत, अमृता गोस्वामी, सुजीत कुमार, कुंदन पाल, आशीष सिंह, अमित सिंह,

मनीष कुमार, रक्षा कुशवाहा, जूली, रियांशु सिन्हा, प्रियंका, शिखा, आत्मानंद, महिमा सिंह, सोनाली जायसवाल तथा अन्य प्रशिक्षणार्थियों ने समारोह में आए हुए समस्त अतिथियों को फ्लावर स्टिक देकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ० प्रियंका सिंह और डॉ० राजेश कुमार पाण्डेय ने किया। डॉ० शक्ति शर्मा ने दोनों सत्र में कार्यक्रम का संचालन किया। उक्त सेमिनार की ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ० नमिता साहू तथा कन्वीनर डॉ० शक्ति शर्मा थी।

महाविद्यालय में दिनांक 17/05/2024 को **अस्तित्व** के बैनर तले द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए **फेयरवेल कार्यक्रम** का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि अध्यक्ष के0पी0 ट्रस्ट रहें। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या ने किया। प्राचार्या ने समस्त अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। उक्त कार्यक्रम में द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों ने मंगल तिलक लगाकर चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों का अभिनंदन किया उसके पश्चात विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। माननीय अध्यक्ष के०पी० ट्रस्ट तथा प्राचार्या के कर कमलों द्वारा बी०एड० सत्र 2021–23 में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली भूतपूर्व छात्राध्यापिका नेहा को महाविद्यालय की ओर से स्वर्ण पदक, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा श्रीमती अरुणा हजेला मेमोरियल स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। उक्त सत्र में ही प्रथम स्थान पर रहे भूतपूर्व छात्राध्यापक आदित्य आनंद को भी महाविद्यालय की ओर से स्वर्ण पदक, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान पर रही लवली मिश्रा को रजत पदक, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र एवं तृतीय स्थान पर आए शिवम मिश्रा एवं शीतल जायसवाल को कांस्य पदक. स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर पाँच प्रशिक्षणार्थियों को **पांच 5000–5000 का चेक अरुणा हजेला मेमोरियल छात्रवृत्ति** के रूप में प्रदान किया गया। साथ ही साथ **वैल्यू एडेड कोर्स के प्रतिभागी, वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता तथा ब्लड डोनर्स को** मुख्य अतिथि एव प्राचार्या द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किये गये। आप दोनो द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई। उक्त अवसर पर **डॉ० नमिता साहू की अंग्रेजी भाषा शिक्षण तथा डॉ० शक्ति शर्मा की 'सामाजिक विज्ञान शिक्षण की पुस्तक** का विमोचन हुआ। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका सरगम मिश्रा और शिक्षा जायसवाल ने किया। छात्रा ध्यापक संजय कुमार रोशन, आशीष त्रिपाठी, रोहित कुमार बैस, संदीप कुशवाह्य, रियांशु सिन्हा, इंदिरा कुशवाहा, शिक्षा जायसवाल, आयुष कुमार यादव, प्रांजल मिश्रा, राकेश यादव, राकेश उरांव, धनंजय, योगेश सिंह, प्रशाली, नंदिनी, साखी चौधरी, रुचि तिवारी, रक्षा कुशवाहा, सोनाली जायसवाल, स्तुति कोटार्या, श्रुति कोटार्या, शिफा फातिमा ने उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उक्त अवसर पर के०पी० ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शिक्षा), उपाध्यक्ष (वित्त) महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ० प्रियंका सिंह, डॉ० अतुल गुर्टू , डॉ० राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ० नमिता साहू, डॉ० मंजू चौधरी, डॉ० सतोष कुमार पाल, डॉ० विक्रांत भास्कर, डॉ० धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डॉ० तन्वी वर्मा तथा डॉ० शक्ति शर्मा भी उपस्थित रहे।

दिनांक 15/06/2024 को महाविद्यालय में **एल्यूमिनाई संगठन की बैठक** हुई जिसमें इलाहाबाद जनपद के बाहर से भी आए पुरा छात्रों ने शिरकत की। प्राचार्या ने समस्त पुरा छात्रों का स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया जिसे द्वितीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिकाओं इंदिरा कुशवाहा, तृप्ति द्विवेदी, सोनाली जायसवाल, रक्षा कुशवाहा द्वारा प्रस्तुत किया गया। बैठक में महाविद्यालय के एल्युमिनाई समिति को रजिस्टर्ड करने की प्रक्रिया के तहत बनाए गए

By Laws का अनुमोदन किया गया तथा कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का सर्वसम्मति के साथ चयन किया गया जिसमें समूह के अध्यक्ष के रूप में श्री अब्दुल जाबिर खान, प्रवक्ता डॉ० मॉडर्न घोष इंटर कॉलेज, उपाध्यक्ष श्री प्रेम दीपक मिश्रा, प्रवक्ता केवीएस फूलपुर, सचिव डॉ० शक्ति शर्मा, एसोशिएट प्रोफेसर के०पी० ट्रेनिंग कॉलेज, संयुक्त सचिव डॉ० शिवपूजन मौर्य, असिस्टेंट प्रोफेसर इलाहाबाद डिग्री कॉलेज तथा सचिन कुमार मिश्रा प्रवक्ता राजनीति विज्ञान आरा,कोषाध्यक्ष डॉ० संतोष पाल असिस्टेंट प्रोफेसर के० पी० ट्रेनिग कॉलेज तथा अन्य 12 कार्यकारिणी सदस्यों का सर्वसम्मति के साथ चयन किया गया। चयनित सदस्यों का डॉ० मंजू चौधरी तथा डॉ० धर्मेंद्र प्रताप सिंह द्वारा बैजेस अलंकरण कर स्वागत किया गया। छात्राध्यापिका सरगम मिश्रा तथा इंदिरा कुशवाहा के मनमोहक नृत्य ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व छात्राध्यापक कृष्णकांत कामिल द्वारा बेहतरीन गजल प्रस्तुत की गई जिसको सभी ने सराहा। प्रशिक्षणार्थियों ने अपने–अपने रोचक प्रसंग, तथा संस्मरण सुनाएं। पुरा छात्रों में बृजेश सिंह, अभिषेक कुमार त्रिपाठी, सचिन कुमार मिश्रा, सत्यवान द्विवेदी, रोशन सिंह. प्रेम दीपक मिश्रा, प्रकाश मिश्रा, अनूप कुमार तिवारी, सुनीता, दिलीप कुमार यादव, अलकहफ, सीमा कैथल, शिवांगी पांडे, चांदनी, प्रिया त्रिपाठी, ऋषभ गुप्ता, अजय कुमार शर्मा, सोनू शर्मा, मनीष पति त्रिपाठी, पंकज दोहरे, पुष्कर कुमार, प्रसून यादव, अमृता गोस्वामी, पवन कुमार प्रजापति, आर्ची गौण, श्वेता, कामिनी मिश्रा, कृष्णकांत, कामिल कुमार शर्मा, आदर्श कुमार त्रिपाठी, रिया जायसवाल, रत्नेश, उदय कुमार सिंह, डॉ० शिवपूजन मौर्य, विनोद कुमार आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ० शक्ति शर्मा ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ० नमिता साहू, डॉ० राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ० अतुल गुर्टू तथा छात्राध्यापक संजय कुमार रोशन भी उपस्थित रहें।

दिनांक 21/06/2024 को **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** मनाया गया। उक्त अवसर पर प्राचार्या समेत समस्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहें। सभी ने पूरे हर्षोल्लास के साथ डॉ० मंजू चौधरी के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के योगासन किए।

जुलाई मास के आगमन के साथ ही महाविद्यालय में परिवर्तन की दस्तक शुरू हो जाती है। जहाँ एक ओर द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी, तृतीय सेमेस्टर के लिए अर्ह हो जाते हैं वहीं दूसरी ओर नवागन्तुक प्रशिक्षणार्थियों के महाविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया भी गतिमान स्वरूप धारण कर लेती है। नव प्रवेशियों को उनके व्यवहार तथा आचरण के आधार पर प्राचार्या के नेतृत्व में समस्त प्राध्यापकों से सर्वसम्मति के साथ उन्हे **छात्र प्रतिनिधि 2024–25** के लिए चयनित किया गया जिससे ये सभी महाविद्यालय की विभिन्न शिक्षणेत्तर गतिविधियों के व्यवस्थापन एवं प्रबन्धन में अपने सीनियर्स के साथ अपने वांछित कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए सक्षम हो सकें।

छात्र प्रतिनिधि 2024–2025

सीनियर प्रिफेक्ट	:	**संजय कुमार रोशन**
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव (चतुर्थ सेमेस्टर)	:	**स्तुति कोटार्या (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		अर्जुन विक्रम सिंह (छात्राध्यापक वर्ग)
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव (द्वितीय सेमेस्टर)	:	**नेहा त्रिपाठी (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		मनीष कुमार (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेकेट्री (चतुर्थ सेमेस्टर)	:	**रक्षा कुशवाहा (छात्राध्यापिका वर्ग)**
		रोहित कुमार बैस (छात्राध्यापक वर्ग)

छात्र प्रतिनिधि 2024–2025

सोशल सेकेट्री (द्वितीय सेमेस्टर)	:	हर्षिता साहू (छात्राध्यापिका वर्ग)
		शिशिर मिश्रा (छात्राध्यापक वर्ग)
जैण्डर चैम्पियन (चतुर्थ सेमेस्टर)	:	इन्द्रा कुशवाहा (छात्राध्यापिका वर्ग)
		दीपक यादव (छात्राध्यापक वर्ग)
स्पोर्ट्स कैप्टन (चतुर्थ सेमेस्टर)	:	आयुष कुमार यादव

पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षा की दिशा में दिनांक 11/07/2024 को महाविद्यालय में **वृक्षारोपण** किया गया जिसमें उपाध्यक्ष शिक्षा के०पी० ट्रस्ट, सदस्य प्रभारी के०पी० ट्रस्ट, प्राचार्या, समस्त प्रशिक्षक, प्रशिक्षणार्थी तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने महाविद्यालय को हरा भरा बनाने के लिए छोटे–छोटे पौधों का रोपण कर पर्यावरण को हरा भरा रखने का संकल्प लिया।

दिनांक 16/07/2024 को एनसीटीई के पत्रांक संख्या 11 जुलाई 2024 के संदर्भ में महाविद्यालय में **नशा मुक्त भारत** पर महाविद्यालय में प्राचार्या, प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थियों ने शपथ ली। प्राचार्या ने **नशा का मनुष्य के जीवन में दुष्प्रभाव** की चर्चा करते हुए इससे मुक्ति पाने के व्यावहारिक सुझाव दिए। उक्त शपथ तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक अनूप दुबे के द्वारा दिलवाई गई।

दिनांक 15/08/2024 को महाविद्यालय में **78वां स्वाधीनता दिवस** धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम श्री डी0एस0 लाल, शासी निकाय, के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज के माननीय सदस्य द्वारा ध्वजारोहण कर सभी को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं दी गई। उसके उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव ने सभी को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। आपने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षणार्थियों को जाति, धर्म, संप्रदाय की राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने को कहा। साथ ही साथ देश को आजादी की सौगात दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों की शहादत को सदैव स्मरण रखने की बात कही। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उसके उपरांत गीत, नृत्य एवं नाटक आज के कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे। कार्यक्रम का संचालन सोशल सेक्रेटरी रियांशु सिंहा तथा छात्राध्यापिका शिक्षा जायसवाल ने किया।

दिनांक 12 अगस्त से 18 अगस्त तक आयोजित होने वाले **"एंटी रैगिंग वीक"** के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में दिनांक 16/08/2024 को **"रैगिंग एक अमानवीय व्यवहार है"** विषयक निबध प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्राचार्या द्वारा रैगिंग का बच्चों के मन पर पड़ रहे मनोवैज्ञानिक प्रभाव की चर्चा करते हुए इसके घातक परिणामों को बताया गया। द्वितीय सत्र में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा लिखे गए निबंध पर उनकी अभिव्यक्ति के मूल्यांकन के आधार पर प्राचार्या द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया जिसमे प्रथम स्थान पर दीपक यादव तथा दिव्या पटेल, द्वितीय स्थान पर संजय कुमार रोशन तथा मान्यता मिश्रा तथा तृतीय स्थान पर आत्मानंद जी तथा रोहित कुमार बैस रहे जबकि शेष प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्राचार्या द्वारा निबंध प्रतियोगिता में सहभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

दिनांक 18/09/2024 को **राजभाषा हिंदी पखवाड़ा 2024** के तत्वावधान में प्रो0 लालसा यादव, विभागाध्यक्ष हिंदी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज का **"राष्ट्र के निर्माण में हिंदी की भूमिका"** विषयक

व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्रो0 अंजना श्रीवास्तव ने बुके और स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रो0 यादव और प्रस्तुत प्रतियोगिता के निर्णायक प्रो0 संजय कुमार सिंह, हिंदी विभाग, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज का स्वागत और अभिनंदन किया। प्रो0 यादव ने अपने व्याख्यान में **हिंदी भाषा के महत्व और राष्ट्र के विकास में उसकी भूमिका** पर सम्यक प्रकाश डाला। प्रो0 यादव, प्रो0 सिंह और प्राचार्या के कर कमलों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर पूर्व में महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय से कुल 42 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागी निम्न है–

निबन्ध प्रतियोगिता

संदीप कुशवाहा – प्रथम स्थान (केपीटीसी)
रुपाली सिंह – द्वितीय स्थान (आर्य कन्या)
संदीप चौरसिया – तृतीय स्थान (ईसीसी)
अनूप दुबे – सांत्वना (केपीटीसी)

काव्य लेखन प्रतियोगिता

शिवम मिश्रा – प्रथम स्थान (ईश्वर शरण)
दीपक यादव – द्वितीय स्थान (कंपीटीसी)
रंजू तिवारी – तृतीय स्थान (राजर्षि टण्डन)

श्लोगन प्रतियोगिता

ब्लैसिका अब्राहम – प्रथम स्थान (ईसीसी)
राकेश यादव – द्वितीय स्थान (केपीटीसी)
प्रज्ञा सिंह – तृतीय स्थान (ईश्वर शरण)
सिमरन सिंह – सांत्वना (ईसीसी)

लघु नाटिका लेखन

संदीप कुमार – प्रथम स्थान (ईसीसी)
अंकितमौर्य – द्वितीय स्थान (केपीटीसी)
प्रियंका पटेल – तृतीय स्थान (केपीटीसी)
सिंह नेहा दिनेश – सांत्वना (ईसीसी)

कोलाज प्रतियोगिता

अंजली यादव – प्रथम स्थान (केपीटीसी)
संदीप कुमार – द्वितीय स्थान (ईसीसी)

मुख्य वक्ता, मूल्यांकनकर्ता एवं प्राचार्या ने समस्त विजयी प्रशिक्षणार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अतुल गुर्टू ने किया। उक्त कार्यक्रम की व्यवस्था में तृतीय सेमेस्टर के समस्त छात्राध्यापक सोशल सेक्रेटरी संजय सिंह रोशन ने सक्रिय भूमिका निभाई। उक्त कार्यक्रम में समस्त शिक्षक तथा अन्य महाविद्यालयों से आए छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहें।

महाविद्यालय में दिनांक 17/10/2024 को **''उत्कर्ष''** के बैनर तले तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए **फ्रेशर फंक्शन** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अनेकों प्रसंगानुकूल कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्राचार्या ने प्रशिक्षणार्थियों को एक अच्छे शिक्षक बनने की दिशा में कुछ मूल मंत्र दिए तथा सभी को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी सोशल सेक्रेटरी संजय कुमार रोशन के निर्देशन में रोहित कुमार बैस, योगेश, प्रांजल मिश्रा, आयुष यादव, अंकुश, राकेश उरांव, प्रज्ञा सिंह, इंद्रा कुशवाहा, रोहित प्रसाद, सोनाली जायसवाल, स्तुति कोटार्या, श्रुति कोटार्या, तृप्ति द्विवेदी, रक्षा कुशवाहा, शिल्पी, सरगम मिश्रा, राकेश यादव, उर्वशी चौहान, आशीष द्विवेदी, आत्मानंद, कुंदन, अखिलेश यादव, संदीप कुमार, नंदिनी गोंड ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक दीपक यादव और छात्राध्यापिका दिव्या पटेल व रियांशु सिंहा ने किया। उक्त अवसर पर समस्त शिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहें।

महाविद्यालय में दिनाक 25/10/2024 को **"Ministry of Youth Affairs and Sports, Government Of India""Awareness And Education on Drug And Substance Abuse"** विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके अतिथि श्री पवन पांडे ट्रैफिक इंस्पेक्टर, प्रयागराज और प्रो0 अंजना श्रीवास्तवं प्राचार्या के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज रहीं। सर्वप्रथम महाविद्यालय के सोशन सेक्रेटरी संजय कुमार रोशन ने मंचासीन अतिथियों का बैज अलंकरण कर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। उक्त कार्यशाला के मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में श्री निर्मल कांत पांडे, गीता केसरी, स्मिता कुशवाहा, अमरीश दुबे आदि रहे। आप सभी ने नशा मुक्त समाज का आवाहन करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को इसके जीवन में पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा भविष्य में हमेशा इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया। डिस्ट्रिक्ट यूथ ऑफीसर जागृति पांडे ने अपने निर्देशन में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन करवाया जिसमें प्रथम स्थान पर प्राची चौधरी (प्रथम सेमेस्टर), द्वितीय स्थान पर कविता यादव (प्रथम सेमेस्टर) तथा तृतीय स्थान पर संजय कुमार रोशन (तृतीय सेमेस्टर) रहे। जबकि सांत्वना पुरस्कार रुचि तिवारी (तृतीय सेमेस्टर) को मिला। उक्त प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के मूल्यांकन कर्ता के रूप में प्रो0 प्रियंका सिंह, प्रो0 नमिता साहू तथा सहयोगी के रूप में डॉ0 संतोष कुमार पाल तथा डॉ0 विक्रांत भास्कर रहे। आप समस्त विजेताओं को महाविद्यालय की प्राचार्या तथा डिस्ट्रिक्ट यूथ ऑफिसर के द्वारा प्रमाण पत्र तथा एक–एक दीवाल घड़ी दी गई। उक्त कार्यक्रम में समस्त शिक्षक एवं प्रशिक्षाणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 शक्ति शर्मा ने किया।

महाविद्यालय में स्वनामधन्य प्रातः स्मरणीय मुंशी काली प्रसाद जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में दिनाक 29/11/2024 को **152 वीं कुलभाष्कर जयंती समारोह** का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रो0 आशीष खरे, रजिस्ट्रार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय अध्यक्ष, के0पी0 ट्रस्ट, प्रयागराज के द्वारा किया गया। प्राचार्या ने समस्त अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। प्राचार्या ने मुंशी काली प्रसाद जी के दानशीलता और उदारता से ओतप्रोत उनके जीवन वृतांत को रोचक ढंग से सभी को अवगत कराया और उनसे प्रेरणा लेने की बात भी कही। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न प्रेरक, रोचक और मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। **"सोशल मीडिया का जनजीवन पर प्रभाव"** नाटक ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। उक्त कार्यक्रम में के0पी0 ट्रस्ट से आए अतिथियों में महामंत्री, उपाध्यक्ष (प्रशासन), उपाध्यक्ष (शिक्षा), सदस्यता प्रभारी, सदस्य, केपीटीसी गवर्निंग बॉडी, सदस्य के0पी0 ट्रस्ट तथा अन्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 प्रियंका सिंह ने किया। उक्त अवसर पर प्रो0 राजेश कुमार पांडे, प्रो0 नमिता साहू, डॉ0 अतुल गुर्टू, डॉ0 मंजू चौधरी, डॉ0 संतोष पाल, डॉ0 विक्रांत भास्कर, डॉ0 धर्मेंद्र प्रताप सिंह तथा डॉ0 तन्वी वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सोशल सेक्रेटरी संजय कुमार रोशन की सक्रिय भूमिका रही।

दिनांक 26 जनवरी को महाविद्यालय में **76 वाँ गणतंत्र दिवस** हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम प्राचार्या द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरांत महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा राष्ट्रीयता के भाव से ओत प्रोत विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्राचार्या ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। आपने उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की अहम भूमिका को शत शत नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया जिनकी शहादत की वजह से हम आजादी के स्वर्णिम प्रभात का सुख और आनंद महसूस कर पा रहे हैं। आपने अपने उद्बोधन में राष्ट्र की विरासत और विकास में महाकुंभ की अहम भूमिका की चर्चा करते हुए इसे जाति, सम्प्रदाय और धर्म की संकीर्णता पर विजय के प्रतीक के रूप में एक आध्यात्मिक पर्व कहा। उक्त अवसर पर सीनियर प्रिफेक्ट संजय रोशन के नेतृत्व में समस्त प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका अदा की। कार्यक्रम का आकर्षण रक्षा कुशवाहा और सोनाली जायसवाल द्वारा संस्कृत भाषा में प्रस्तुत राष्ट्रीय भक्ति से ओत–प्रोत गीत रहा। इसके अतिरिक्त अर्जुन विक्रम सिंह, अनुप्रिया पटेल, प्रज्ञा सिंह, आकांक्षा तिवारी, पंकज कुशवाहा, सुभाष कुमार, आयुषी मिश्रा, उर्वशी, अपर्णा पांडे, शिवानी गौतम, राकेश यादव की प्रस्तुतियां भी सराहनीय रहीं। कार्यक्रम का संचालन चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी दीपक यादव ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, प्रशिक्षणार्थी तथा शिक्षणेतर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

दिनांक 08 मार्च 2025 को महाविद्यालय, में **65वीं वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता** हर्षोल्लास और उमंग के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिताओं का आयोजन मेजर रणजीत सिंह स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 बृजेश कुमार, पूर्व प्राचार्य, सी0एम0पी0 पी. जी. कॉलेज रहे, जिनका स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बैज अलंकरण समारोह के पश्चात सरस्वती वंदना से हुआ. जिसके उपरांत मुख्य अतिथि की अनुमति से प्रतियोगिताओं की आधिकारिक शुरुआत की गई।

प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी श्रेष्ठ खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 प्रियंका सिंह द्वारा किया गया।

- खेल प्रतियोगिताएँ एवं विजेताओं की सूची निम्नलिखित हैं –

छात्राध्यापक वर्ग

1. 100 मीटर दौड़
- **प्रथमः अपूर्व कुमार गुप्ता (द्वितीय सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः आयुष कुमार यादव (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः आशीष सिंह (चतुर्थ सेमेस्टर)**

2. 200 मीटर दौड़
- **प्रथमः आयुष कुमार यादव (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः अमन बालकृष्ण चौधरी (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः अपूर्व कुमार गुप्ता (द्वितीय सेमेस्टर)**

3. 400 मीटर दौड़
- **प्रथमः आशीष सिंह (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः अमन बालकृष्ण चौधरी (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः राकेश यादव (चतुर्थ सेमेस्टर)**

4. गोला फेंक
- **प्रथमः सौरभ सिंह (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः आयुष (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः आशीष सिंह (चतुर्थ सेमेस्टर)**

छात्राध्यापिका वर्ग

1. 50 मीटर नींबू दौड़
- **प्रथमः दीक्षा यादव (द्वितीय सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः रियांशु सिन्हा (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः रक्षा कुशवाहा (चतुर्थ सेमेस्टर)**

2. 100 मीटर दौड़
- **प्रथमः दीक्षा यादव (द्वितीय सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः तृप्ति द्विवेदी (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः रक्षा कुशवाहा (चतुर्थ सेमेस्टर)**

3. म्यूजिकल चेयर
- **प्रथमः स्तुति कोटार्या (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः श्रुति कोटार्या (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः दीक्षा यादव (द्वितीय सेमेस्टर)**

4. गोला फेंक
- **प्रथमः दीक्षा यादव (द्वितीय सेमेस्टर)**
- **द्वितीयः रियांशु सिन्हा (चतुर्थ सेमेस्टर)**
- **तृतीयः रक्षा कुशवाहा (चतुर्थ सेमेस्टर)**

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छात्राध्यापक वर्ग से आयुष कुमार यादव (चतुर्थ सेमेस्टर) एवं छात्राध्यापिका वर्ग से दीक्षा यादव (द्वितीय सेमेस्टर) को जेंडर चौंपियन घोषित किया गया। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम के अंत में प्रो0 राजेश कुमार पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण सहित समस्त शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में सीनियर प्रिफेक्ट संजय कुमार रोशन एवं समस्त प्रशिक्षणार्थियों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिनके समर्पण और टीम वर्क ने आयोजन को सुचारू रूप से सपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिनांक 27/03/2025 को महाविद्यालय में **ऐस्थर सिंह मेमोरियल वाद–विवाद प्रतियोगिता विषय–सदन की सम्मति में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षक शिक्षा के लिए उपयोगी है" तथा देश भक्ति विषयक काव्य–पाठ प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया है जिसकी मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनुराधा अग्रवाल, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रही तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाध्यक्ष (शिक्षा) कायस्थ पाठशाला न्यास ने की। प्राचार्या ने समस्त अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया तथा वाद विवाद और काव्य पाठ प्रतियोगिता के आयोजन के मर्म को स्पष्ट किया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उक्त प्रतियोगिता में इलाहाबाद जनपद के विभिन्न बी0एड0 कॉलेज से कुल 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर के0पी0 उच्च शिक्षा संस्थान, झलवा से प्रियम्वदा शुक्ला ने सर्वोत्तम वक्ता तथा विनर की चल वैजयंती जीती। जबकि के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज से अर्जुन विक्रम सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रनर की चल वैजयंती जीती। सांत्वना पुरस्कार के0पी0 ट्रेनिंग कॉलेज की शिफा फातिमा को मिला। काव्य पाठ प्रतियोगिता में भी के0पी0 उच्च शिक्षण संस्थान की प्रियंवदा शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विनर की शील्ड जीती। के पी ट्रेनिंग कॉलेज से रक्षा कुशवाहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए रनर की चल वैजयंती जीती। काव्य पाठ प्रतियोगिता के लिए सांत्वना पुरस्कार वेणी माधव सिंह महाविद्यालय बिगहिया की सुप्रिया को मिला। दोनों प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को व्यक्तिगत स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता का प्रमाण पत्र भी मिला। उक्त कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में डॉ विशाल कुमार श्रीवास्तव, सीएमपी पीजी कॉलेज, डॉ दिलीप सिंह, सीएमपी पीजी कॉलेज तथा डॉ शिवपूजन मौर्य, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज रहें। कार्यक्रम में विभिन्न अतिथिगण, महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक तथा समस्त प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो प्रियंका सिंह ने किया।

के0पी0. ट्रेनिग कॉलेज में दिनाक 08/04/2025 को **अध्ययन मंच** के तत्वावधान में **"गांधी के विचारों की प्रासंगिकता"** पर व्याख्यान हुआ। अध्ययन मंच के द्वय वक्ता प्रोफेसर पी0 के0 साहू, भूतपूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं श्री राजीव वर्मा (एडवोकेट) रहे। प्राचार्या प्रो. अंजना श्रीवास्तव द्वारा दोनों वक्ताओं को बुके एवं स्मृति चिन्ह देखकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया गया। श्री वर्मा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानवता को धारण करने के लिए आसक्ति रहित होना अनिवार्य है। जबकि प्रो0 साहू ने गांधी जी के विचारों को एक समुद्र की भाति बताया जिसे जितनी बार मंथन किया जायेगा उतनी बार ही ऐसे रत्न निकलेंगे जो मानव को जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उक्त कार्यक्रम में प्रो प्रियंका सिंह, डॉ अतुल गुर्टू, प्रो राजेश कुमार पांडेय, प्रो नमिता साहू, डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डॉ सतोष कुमार पाल, डॉ विक्रांत भास्कर, डॉ तन्वी वर्मा एवं समस्त प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एव धन्यवाद ज्ञापन प्रो शक्ति शर्मा ने किया।

दिनांक 16 मई को महाविद्यालय में **"अस्तित्व"** के तत्वावधान में द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए **विदाई समारोह** का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री एस डी कौटिल्य महामंत्री के पी ट्रस्ट, श्री के के श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष केपी ट्रेंनिंग कॉलेज, डॉ सुधा प्रकाश भूतपूर्व प्राचार्या आई ए टी ई, श्री कुलदीप श्रीवास्तव, सदस्य के पी ट्रस्ट तथा महाविद्यालय की प्राचार्या के कर कमलों द्वारा बी एड सत्र 2022–24 की मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राध्यापिका सुश्री अमृता गोस्वामी को दो स्वर्ण पदक (एक महाविद्यालय की ओर से तथा दूसरा **"श्रीमती अरुणा हजेला मेमोरियल स्वर्ण पदक"**) प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान पर रहे श्री सौरव तिवारी को रजत पदक, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जबकि तृतीय स्थान पर रही सुश्री निमा शुक्ला को कांस्य पदक, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही साथ महाविद्यालय की आठ मेधावी छात्राध्यापिकाओं– दीपिका, नंदिनी गोंड, प्रशाली, प्रिशु सिंह, रियांशू सिन्हा, रुचि तिवारी, सोनाली जायसवाल तथा तृप्ति द्विवेदी को 24,000/– में से प्रत्येक छात्राध्यापिका को तीन– तीन हजार रुपए **'श्रीमती अरुणा हजेला स्कॉलरशिप'** के रूप में प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर प्राचार्या ने समस्त अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया। साथ ही साथ चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल और सफल जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। आपने श्रीमती अरुणा हजेला के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रशिक्षणार्थियों से उनके व्यक्तित्व से बहुत कुछ आत्मसात करने का संदेश देते हुए कहा कि 'उनके इस योगदान के लिए महाविद्यालय परिवार स्मृति शेष श्रीमती अरुणा हजेला को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार को कोटि–कोटि धन्यवाद ज्ञापित करता है'। दिनांक 8 मार्च को महाविद्यालय की हुई **65 वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता** में छात्राध्यापक वर्ग में आयुष कुमार यादव तथा छात्राध्यापिका वर्ग में दीक्षा यादव ने एकल विजेता का खिताब जीता था। उक्त अवसर पर आप दोनों को भी एक–एक स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त सत्र भर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएं दी गई। उक्त कार्यक्रम के आयोजन में शिशिर मिश्रा, अपूर्व कुमार पाल, मनीष शाह, मोहम्मद फरहान, शुभम राज, श्वेता यादव, अंजली यादव तथा द्वितीय सेमेस्टर के समस्त प्रशिक्षणार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उक्त अवसर पर महाविद्यालय की प्रो. प्रियंका सिंह, प्रो. राजेश कुमार पांडे, प्रो. नमिता साहू, डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डॉ मंजू चौरसिया, डॉ संतोष पाल, डॉ विक्रांत भास्कर तथा डॉ तन्वी वर्मा भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शक्ति शर्मा ने किया।

महाविद्यालय में दिनांक 21/06/25 को **11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** मनाया गया। उक्त अवसर पर प्राचार्या समेत समस्त शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पूरे हर्षोल्लास के साथ महाविद्यालय की खेलकूद प्रभारी डा. मंजू चौधरी के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के योगासन किये।

K.P. TRAINING COLLEGE PRAYAGRAJ

अन्य संस्थाओं में प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता

राजभाषा हिन्दी परखवाड़ा 2024 के तत्वावधान में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में भी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमे प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों ने स्थान प्राप्त किया। राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक अभिषेक गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि श्लोगन प्रतियोगिता में सान्त्वना का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। उक्त महाविद्यालय में ही आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता में तृतीय सेमेस्टर की रक्षा कुशवाहा तथा प्रथम सेमेस्टर की अर्पणा पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जगत तारन महाविद्यालय में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में आयुष कुमार यादव (तृतीय सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान तथा लघु कहानी प्रतियोगिता में अभिषेक गौड़ (तृतीय सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ईश्वर शरण पी० जी० कालेज में आयोजित आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रथम सेमेस्टर के रोहित प्रसाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि अखिलेश यादव ने सान्त्वना का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त :–

- दिनांक 01/02/2024 को कुलभाष्कर जयन्ती समारोह के तत्वावधान में आयोजित अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में 200 मीटर की दौड़ में महाविद्यालय के प्रथम सेमेस्टर की छात्राध्यापिका दीक्षा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- दिनांक 22/11/2024 को सी0एम0पी0 पी0जी0 कालेज के हीरक जयन्ती समारोह में आयोजित निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राध्यापिका शिफा फात्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 2500/– की धनराशि जीती।
- दिनाक 02/12/2024 को कुलभाष्कर जयन्ती समारोह की श्रृंखला में आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता में बी0एड0 प्रथम सेमेस्टर की छात्राध्यापिका वंदना मौर्या ने प्रस्तावित प्रकरण के विपक्ष में अपने विचार रखते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- दिनाक 18/03/2025 को एस० एस० खन्ना महाविद्यालय में आयोजित ''मस्ती की पाठशाला'' के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला 'क्षणिकाएं'' में चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राध्यापिका शिफा फात्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर दो हजार रूपए की धनराशि जीती जबकि वाद विवाद प्रतियोगिता विषय **"डिजिटल कुंभ"** में द्वितीय स्थान प्राप्त कर पन्द्रह सौ रूपए की धनराशि जीती। इसी श्रृंखला में "Just a minute" में प्रतिभाग करते हुए चतुर्थ सेमेस्टर के छात्राध्यापक अर्जुन विक्रम सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त कर एक हजार रू0 की धनराशि जीती। उक्त कार्यक्रम में ''फेस पेंटिंग इवेन्ट्स'' में चतुर्थ सेमेस्टर से ही तृप्ति द्विवेदी तथा सोनाली जायसवाल ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रो. शक्ति शर्मा

के.पी. ट्रेनिंग कालेज

K.P. TRAINING COLLEGE PRAYAGRAJ

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

K.P. TRAINING COLLEGE
सत्य धर्म सेवा
PRAYAGRAJ

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

कुछ पल महाविद्यालय की गतिविधियों के

K.P. Training College, Prayagraj

(A Constituent College of University of Allahabad, Prayagraj)
Ph.No: 0532-2400250
Email: kptc allahabad1951@gmail.com
website: www.kptc.ac.in